राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 06, अंक 140 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शनिवार 22 जून 2024 www.samaydarshan.in

पीएम मोदी ने डल झील के किनारे किया योग

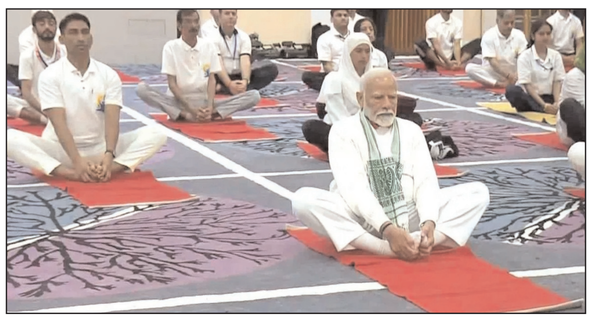

लोगों के साथ सेल्फी ली; सेना के जवानों ने आईएनएस विक्रमादित्य, चीन बॉर्डर पर योगासन किए

श्रीनगर (एजेंसी)। शुक्रवार को 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर में योग किया। पहले यह कार्यक्रम डल झील के किनारे 6:30 बजे होना था, लेकिन बारिश की वजह से इसे हॉल में शिफ्ट कर दिया गया। यह सुबह करीब 8 बजे शुरू हो पाया।

हॉल में करीब 50 लोग और हॉल के बाहर करीब 7 हजार लोगों ने पीएम मोदी के साथ-साथ योग के मुश्किल आसन किए। इसके अलावा आईएनएस विक्रमादित्य पर नौसेनिकों ने सुबह करीब 7 बजे योग किया। लद्दाख में चीन से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब पैंगॉन्ग झील के किनारे आईटीबीपी के जवानों ने अलग-अलग आसन कर 10वां योग दिवस मनाया।

2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून के दिन को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। तब से इसे अलग-अलग थीम पर मनाया जा रहा है। इस बार की थीम 'योगा फॉर सेल्फ एंड सोसाइटी' है। पीएम मोदी दो दिन के दौरे पर जम्मू-कश्मीर में हैं। 2013 के बाद से यह उनकी जम्मू-कश्मीर की 25वीं यात्रा है। वहीं 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद 7वीं यात्रा है। चुनाव आयोग सितंबर में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाने की तैयारियां कर रहा है। ऐसे में पीएम मोदी का यहां जाना और योग दिवस जैसे इंटरनेशनल इवेंट में शामिल होना पॉजिटिव मैसेज माना जा रहा है।

योग के बाद पीएम मोदी बताएं इसके फायदे

उन्होंने कहा- कश्मीर के लिए योग आकर्षण का केंद्र बन सकता है। आज मौसम ने चुनौतियां पैदा कीं। कई बेटियों ने योगा मेट को बारिश से बचने के लिए उपयोग किया, लेकिन बेटियां गईं नहीं। यहीं डटी रहीं। यह अपने आप में बहुत बड़ा सुकून है। मैं आपको बहुत बधाई देता हूं।

क्रून्ने कहा- हम जब स्कूल में पढ़ते थे तो टीचर्स कहते थे कि ध्यान से देखो। ध्यान से सुनो। ये ध्यान विषय हमारे कॉन्सनट्रेशन से जुड़ा विषय है। बहुत से लोग याद शक्ति बढ़ाने के लिए अलग-अलग तरीके बताते हैं। अगर सहज रूप से योग को जीवन से जोड़ेंगे तो आपको लाभ होगा। आपकी विकास यात्रा का योग मजबूत पहलू बन जाएगा।

योग की प्राचीन परंपरा हम सभी को स्वस्थ जीवन पद्धति से जोड़ती है -मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने हजारों लोगों के साथ सामूहिक योग किया और स्वस्थ जीवन-शैली के लिए नियमित योगाभ्यास करने का संदेश लोगों को दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह देखकर प्रसन्नता होती है कि जिन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए पूरी दुनिया में योग दिवस मनाया जाता है, वह उद्देश्य आज सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि योग का प्रचार और प्रसार आज पूरी दुनिया में हो रहा है। भारत में भी इसे लेकर अद्भुत जागरूकता आई है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जो उत्साह आज यहां पर नजर आ रहा है, वैसा ही उत्साह प्रदेश के सभी जिले, ब्लाक और गांवों में भी है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ को 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था, जिसके परिणामस्वरूप ही पूरे विश्व में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि योग का अर्थ होता है जोड़ना। योग की प्राचीन परंपरा हम सभी को स्वस्थ जीवन पद्धति से जोड़ती है। योग हमारे मन और मस्तिष्क को आपस में जोड़ता है। योग की प्रक्रिया हमें आध्यात्म और उच्च जीवन मूल्यों से भी जोड़ती है। उन्होंने कहा कि लोग स्व-स्फूर्त योग करने के लिए साइंस कॉलेज मैदान पहुंचे और सामुहिक योग में शामिल हुए। श्री साय ने कहा कि व्यक्ति से ही समाज का निर्माण होता है। योग केवल स्वस्थ जीवन के लिए ही नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए भी जरूरी है। आज पूरी दुनिया योग के महत्व को समझ रही है और अपना रही है। हमारी सरकार योग आयोग के माध्यम से प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा लोगों को योग से जोड़ने के लिए लगातार काम करेगी।

सीएम केजरीवाल को फिलहाल राहत नहीं, हाईकोर्ट ने जमानत पर फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिली। कोर्ट ने उनकी जमानत पर फिलहाल रोक लगा दी है और फैसला सुरक्षित रखा है। माना जा रहा है कि दो से तीन दिन पर इस पर फैसला आएगा। तब तक उन्हें तिहाड़ जेल में ही रहना होगा। बता दें कि गुरुवार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत दे दी थी। इस पर ईडी ने शुक्रवार को हाईकोर्ट का रुख किया था। ईडी ने इस मामले को तत्काल सुनवाई की मांग की। ईडी की याचिका पर सुनवाई को लिए हाईकोर्ट सहमत हो गया है।

ईडी का दावा है कि हमको अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध करने का पूरा मौका नहीं दिया क्या, इसलिए निचली अदालत के जमानत के फैसले पर रोक लगाई जाए। अरविंद केजरीवाल के वकीलों ने ईडी के वकील को सलाह दी कि आपको अदालत के फैसले को सम्मान के साथ स्वीकार करना चाहिए। हाईकोर्ट की सुनवाई के बाद ही साफ होगा कि अरविंद केजरीवाल आज रिहा होंगे या नहीं। दिल्ली हाईकोर्ट का कहना है कि ट्रायल कोर्ट के आदेश को तब तक प्रभावी नहीं किया जाएगा जब तक वह सीएम केजरीवाल को दी गई जमानत को चुनौती देने वाली श्वष्ट की याचिका पर सुनवाई नहीं कर लेता।

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ईडी के केजरीवाल की जमानत के खिलाफ हाईकोर्ट जाने को लेकर कहा, 'मोदी सरकार की गुंडागर्दी देखिए अभी ट्रायल कोर्ट का आदेश ही नही आया आदेश की कॉपी भी नहीं मिली तो मोदी की ईडी हाईकोर्ट में किस आदेश को चुनौती देने पहुंच गई? क्या हो रहा है इस देश में? न्यायव्यवस्था का मजाक क्यों बना रहे हो मोदी जी पूरा देश आपको देख रहा है?' वहीं, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा, 'देश में तानाशाही इतनी बढ़ गई है कि ईडी किसी को छूट भी नहीं देना चाहती। ईडी अरविंद केजरीवाल जी के साथ देश के आतंकवादी की तरह व्यवहार कर रही है। अभी तो केजरीवाल जी की जमानत का आदेश अपडेट भी नहीं हुआ था कि ईडी स्टे लगवाने के लिए हाईकोर्ट पहुंच गई।

कुलपति ममता चंद्राकर हटाई गईं, दुर्ग कमीश्नर को सौंपा गया इस यूनिवर्सिटी की प्रभार

नियुक्ति को लेकर लंबे समय से चल रहा था विवाद

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की संगीत नगरी खैरागढ़ स्थित ऐतिहासिक इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय की कुलपति पद्मश्री ममता चंद्राकर को राज्यपाल ने हटा दिया है। ममता की नियुक्ति के वक्त ही उनको लेकर कई सवाल उठ रहे थे, लेकिन अब उनके खिलाफ राष्ट्रपति से सम्मानित शिक्षक बीआर यादव ने सत्याग्रह कर मोर्चा खोल दिया था, जिसके बाद कार्रवाई की गई है। वहीं लोकसभा चुनाव के दौरान भी कई कर्मचारियों के विद्रोह किए जाने की जानकारी मिली थी।

बता दें कि ममता चंद्राकर की नियुक्ति के बाद खैरागढ़ के निवासियों ने काली पट्टी बांधकर मशाल रैली निकाली थी। साथ ही ममता की नियुक्ति के विरोध में खैरागढ़ बंद कराकर विरोध प्रदर्शन भी किया गया था। लोकसभा चुनाव के दौरान कर्मचारियों पर पार्टी विशेष के लिए चुनाव प्रचार करने का दबाव बनाने का भी आरोप उन पर लगाए गए थे। विवादों के बाद राज्यपाल के सचिव यशवंत कुमार ने आदेश जारी कर उन्हें पद से तत्काल प्रभाव से हटा दिया है।

अफसरों ने बीआर यादव से मुलाकात की थी

ममता चंद्राकर की नियुक्ति को लेकर कई सवाल उठ रहे थे। उनके खिलाफ राष्ट्रपति से सम्मानित शिक्षक बीआर यादव ने सत्याग्रह कर मोर्चा खोल दिया था। सूत्र बताते हैं कि राज्यपाल कार्यालय के अधिकारियों ने सत्याग्रही रिटायर्ड शिक्षक बीआर यादव से मुलाकात कर मामले की पूरी जानकारी ली। इसके बाद ममता चंद्राकर के खिलाफ कार्रवाई की गई है। आगामी आदेश तक दुर्ग के संभागायुक्त को विश्वविद्यालय के कुलपति का दायित्व सौंपा गया है।

नीट काउंसलिंग पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का फिर इनकार :कहा- काउंसलिंग 6 जुलाई से शुरू होगी, कैंडिडेट्स के पास मॉडिफिकेशन का ऑप्शन रहेगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से फिर एक बार इनकार कर दिया है। शुक्रवार (21 जून) को एक स्टूडेंट ने याचिका लगाई। उसका कहना था कि 773 कैंडिडेट्स बिना ग्रेस माक्?स पाए फेल हुए हैं। पूरी परीक्षा रद्द कर दोबारा कराई जाए। 8 जुलाई को केस पर सुनवाई होनी है ऐसे में 6 जुलाई से शुरू हो रही काउंसलिंग भी 2 दिनों आगे बढ़ाई जाए।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि, रीएग्जाम की मांग पर हङ्ख से 2 हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है। याचिकाकर्ता ने कहा कि हम काउंसलिंग पर रोक नहीं चाहते। केवल इसे 2 दिन आगे बढ़ाना चाहते हैं। काउंसलिंग 6 जुलाई से शुरू हो रही है। इससे जुड़े मामले 8 जुलाई को सुनवाई के लिए लिस्टेड हैं। हम नीट परीक्षा दोबारा कराने की मांग कर रहे हैं।

सऊदी अरब में भीषण गर्मी से हज के दौरान 98 भारतीयों की मौत, हजार से ज्यादा लोगों की जान जाने की पुष्टि

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब में हज के दौरान भीषण गर्मी और प्राकृतिक कारणों से मरने वालों की संख्या एक हजार से अधिक हो गई, जिसमें 98 भारतीय भी शामिल हैं। इस साल अब तक 1,75,000 भारतीय हज के लिए सऊदी अरब गए हैं। केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। अबतक 10 देशों से 1,081 जायरीनों (हज पर जाने वाले लोगों को जायरीन कहते हैं) की मौत हो चुकी है। इनमें सबसे ज्यादा मिस्र के 658 जायरीन शामिल हैं।

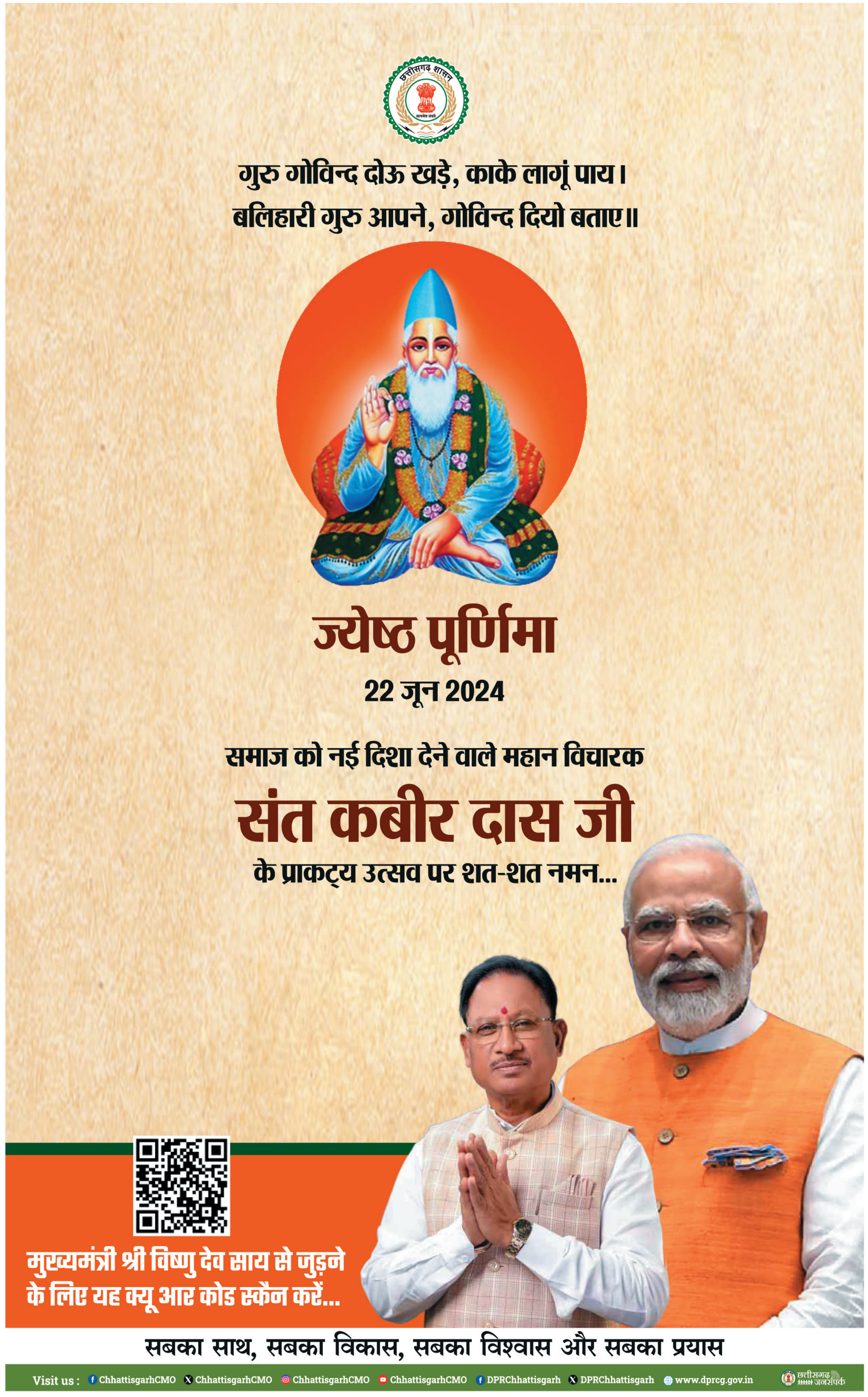

संक्षिप्त समाचार

आयुष्मान आरोग्य मंदिर महुदा में योग दिवस मनाया

पाटन (समय दर्शन)। आयुष्मान आरोग्य मंदिर महुदा में योग दिवस के अंतर्गत योग कार्यक्रम का दसवां चरण का आयोजन किया गया। सभी ग्रामवासियों को योग से मिलने वाले बेहतर लाभ और योग से एक बेहतर जीवन शैली के बार में जागरूक किया गया । साथ ही मलेरिया माह के अंतर्गत महुदा उफरा और कोपेडीह में जनजागरुकता रैली निकाला जा रहा है और नारे लेखन के माध्यम से मच्छर से बचने के उपायों और मलेरिया डेंगू आदि के इलाज के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। बी एम ओ डॉक्टरआशीष शर्मा के मार्ग दर्शन में ये आयोजन एएनएम महुदा के द्वारा किया जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

राजनांदगांव। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर शासकीय मेडिकल कॉलेज संबद्ध चिकित्सालय के ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ अधिष्ठाता डॉ. रेणुका गहिने एवं पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतिमा कुजूर द्वारा किया गया। अधिष्ठाता डॉ. रेणुका गहिने ने कहा कि सभी स्वस्थ व्यक्तियों को वर्ष में कम से कम एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिये। जिससे सिकलिंग, शैलेसिमिया, डिलीवरी एवं आपातकालीन स्थितियों में ब्लड की जरूरत वाले मरीजों को मदद मिले सके। उन्होंने ब्लड की पूर्ति के लिए सभी स्वस्थ्य व्यक्तियों से स्वैच्छिक रक्तदान की अपील की। पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतिमा कुजूर ने बताया कि ब्लड सेंटर में पिछले वर्ष 5100 यूनिट ब्लड कलेक्शन हुआ है। जिसमें 2500 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदाताओं से प्राप्त किया गया। ब्लड सेंटर द्वारा लगभग 65 प्रतिशत ब्लड यूनिट बिना डोनर के मरीजों को दिया गया, जो राज्य के अन्य शासकीय ब्लड सेंटर के तुलना में सर्वाधिक है। डॉ. ज्योति चौधरी ने रक्तदान से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रक्तदान से हार्ट अटैक की संभावना कम होती है, वजन नियंत्रित रहता है। शिविर में ब्लड सेंटर इंचार्ज डॉ. चंद्रशेखर इंदौरिया, डॉ. पवन जेठानी, डॉ. निकिता पारख, डॉ. रिंकू सिंग, टेक्नीशियन इंचार्ज चुमेश साहू, जुगेश कुमार टेकाम, स्टॉफ नर्स ममता साहू एवं अन्य स्टॉफ उपस्थित थे। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज ब्लड सेंटर इंचार्ज डॉ. चंद्रशेखर इंदौरिया ने अपना 31वां रक्तदान किया। वह लगातार मेडिकल स्टूडेन्ट और आम जनता को रक्तदान के लिए प्रेरित करते रहते है। ब्लड सेंटर स्टॉफ प्रतीक देवांगन 45 बार रक्तदान कर चुके है। स्टॉफ के बीटीओ डॉ. जलज गौतम, डॉ. रिंकु सिंग, डॉ. विवके राठिया, टेक्नीशियन कमलेश कुमार निषाद, जुगेश कुमार टेकाम, मोरध्वज साहू लगातार रक्तदान करते रहते है। ब्लड सेंटर स्टॉफ मरीजों की सेवा और रक्तदान जागरूकता हेतु समर्पित हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा प्रकरणों की सुनवाई 4 को दुर्ग में

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. श्रीमती किरणमयी नायक एवं सदस्य के द्वारा 4 जुलाई को दुर्ग के प्रेरणा सभाकक्ष बालगृह परिसर 5 बिल्डिंग महिला बाल विकास कार्यालय में प्रात: 11 बजे से महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित दुर्ग जिले के 41 प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी।

आधार और किसान किताब नम्बर अपडेशन हेतु नि:शुल्क शिविर 24 जून को

दुर्ग। पाटन अनुभाग में अधिक से अधिक भूमि धारकों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नि:शुल्क आधार और किसान किताब नम्बर का अपडेशन शिविर आयोजित किया जा रहा है। पाटन एसडीएम श्री दीपक निकुंज ने बताया कि ऐसे किसान, भूमिस्वामी तथा सहखातेदार जो अपने राजस्व रिकार्ड में अपना आधार, मोबाइल नम्बर, किसान किताब नम्बर अपडेट नहीं करा पाए हैं, या जिन्हें जानकारी नहीं है कि ये अपडेट कराना जरूरी है या वे जो बाहर रहते हैं और अपना अभिलेख अपडेट नहीं करा पाए हैं, उनके लिए 24 जून 2024 दिन सोमवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक पाटन अनुभाग में प्रत्येक ग्राम पंचायत भवन में अपडेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

अब तो बदल ही जाएगी नगर की सूरत! पहली बार हुई रिकॉर्ड तोड़ टैक्स वसूली, एक ही दिन में 30 लाख की वसूली

नगर निगम की टैक्स वसूली आमदनी को दोगुना करने एक अच्छी टीम का निर्माण

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर नगर निगम की टैक्स वसूली आमदनी को दोगुना करने एक अच्छी टीम का निर्माण ।नगर निगम की आय बढ़ाने राजस्व विभाग की टीम लगातार टैक्स वसूली अभियान चलाकर करदाताओं के घर पहुँचकर टैक्स वसूली किया जा रहा है ।करदाताओं पर नोटिस का असर दिखने लगा है ।नोटिस मिलते ही लोग टैक्स जमा करने निगम कार्यालय पहुँच रहे है ।अब तो बदल ही जाएगी नगर की सूरत! पहली बार हुई रिकॉर्ड तोड़ टैक्स वसूली, दो दिन बाद एक ही दिन में 30 लाख की वसूली की गई ।इस क्रम में आज अप्सरा टॉकीज़ के संचालक द्वारा आज निगम कार्यालय पहुँचकर 1049364 रुपये एवं इनके निजी मकान का 42994/- रुपये निगम कोष में जमा किया गया। इस दौरान राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर मौजूद थे। इसी तरह अम्बे लॉज को पिछले 5 साल का बकाया राशि 277963/- के लिए नोटिस जारी किया गया ।नोटिस मिलते ही सोमवार तक राशि जमा करने का आश्वासन दिया गया है। यदि उनके द्वारा टैक्स समय सीमा में जमा नही किया गया तो निगम द्वारा तालाबंदी की कार्यवाही की चेतावनी दी गई है। साथ ही पुलगांव कपड़ा मार्केट व्यापारी संघ से 25 जून 2024 को एक साथ टैक्स का भुगतान करने में सहमति बनी है। वही संपत्ति कर नही चुकाने वालो पर नगर निगम सख्त हो गई है। राजस्व विभाग द्वारा लगभग 236 करदाताओं के खिलाफ डिमांड बिल जारी किया गया है. । बैठक में ऐसे बकायादारों को जून में टैक्स का भुगतान कर छः प्रतिशत छूट का लाभ पाने प्रोत्साहित किया जा रहा है। बकाया टैक्स वसूली को लेकर पिछले पांच दिनों से अभियान चलाया जा रहा है। जो निरंतर जारी रहेगा। कर्मवीर कर्मचारी आर.एस.आई रामखिलावन शर्मा, संजय मिश्रा,निशांत यादव,जलकार्य निरीक्षक राजूलाल चंद्राकर,सहायक राजस्व निरीक्षक बद्रीनाथ भीमगज,लवकुश शर्मा,बलदाऊ पटेल,लक्ष्य गोईर, अनिल करिहार,गुमान निर्मलकर,विनीत वर्मा,दीपक साहू,शिवा परिहार,विनोद उपाध्याय,रुपेश नायक,संजय सोनकर,पवन नायक,भूपत भारद्वाज,सत्येंद्र यादव,नरेंद्र मनहरे,मिथुन सोनवानी,गौकरण सोनी।

बच्चों की स्तर निर्धारण कर उनको समता मूलक शिक्षण देना शिक्षको का विशेष प्रयास होना चाहिए-बीईओ महिलांगे

बुनियादी साक्षरता व संख्यात्मक ज्ञान प्रशिक्षण में शामिल हुए विकास बीईओ

पाटन (समय दर्शन)। शिक्षा नीति 2020 के अनुपालन में निपुण भारत मिशन अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता ज्ञान (स्नरह्न)के निर्धारित लक्ष्य 2026-27 के पूर्व 2025 में ही पूरा करने विकास खण्ड पाटन शिक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार महिलागें ने कवायद शुरू कर दिया है।

विकास खण्ड में चल रहे स्नरह्न प्रशिक्षण अंतर्गत जोन पाटन व जाम गांव आर में राज्य स्त्रोत व्यक्ति सुशील कुमार सूर्यवंशी के साथ शामिल होकर शिक्षकों का मनोबल बढ़ाते हुए प्रशिक्षण के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर प्रशिक्षण सम्बंधित जानकारी को क्वीज व एनालिटिकल प्रश्नो के माध्यम से जांचकर, शिक्षकों को पुरस्कृत किए। जिससे शिक्षक प्रसन्न होकर प्रभावित होते हुए शिक्षा अधिकारी के हर प्रश्नो पर अपना सहभागिता दिए। प्रशिक्षण अंतर्गत व्यवस्थागत चर्चा के साथ कंटेंट डिलिवर कैसे किया जा रहा है पर विस्तार से चर्चा मास्टर ट्रेनर रुपेश कुमार साहू एवं टिकेश्वर गजपाल से करते हुए बेहतर व्यवस्था के लिए दोनों को बधाई दिए।

संगम सेवा समिति द्वारा मतदाता सूची में नाम जोड़ने का कार्य कर रही है

सरायपाली (समय दर्शन)। सराईपाली की प्रतिष्ठित सेवा समिति संगम सेवा समिति द्वारा सराईपाली नगर छेत्र में नये मतदाताओं का नाम जोड़ने के लिए हर घर-घर,हर वार्ड-वार्ड अभियान चला कर नाम जोड़ने का कार्य आरंभ किया गया है,जिसके तहत 18 वर्ष आयु सीमा पूर्ण करने वाले लोगो का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जा रहा है,जिसके लिये संगम सेवा समिति के सदस्य हर घर जाकर ऐसे लोगो को चिह्नांकित कर रहे है जिनका नाम मतदाता सूची में नही है ऐसे लोगो का नाम जुड़वाने में मदत करेंगे,इस विषय पर समिति के संस्थापक प्रखर अग्रवाल ने मीडिया को बताया कि हमारा उद्देश्य लोगो को मतदान के प्रति जागरूक करना है और नये लोगो का नाम मतदाता सूची में जोड़ कर नये मतदाताओं को उनके वोट के महत्व को समझाना है और जिसे भी अपना मतदाता सूची में नाम जुड़वाना हो वह समिति के कार्यालय में संपर्क कर सकते है इस कार्य में समिति के सदस्य तुषार सेन,आशीष सेन,आयुष साहू,तरुण गड़तिया,अमित पटेल,प्रखर शर्मा,रिंकु पटेल,अमन ठाकुर,विजय नाग,अभिनय शाह,अभय नंद का विशेष योगदान है।

स्वच्छ मन स्वच्छ शहर के उददेश्य को लेकर मनाया गया अंतराष्ट्रीय योग दिवस

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के बैकुण्ठधाम अम्बेडकर भवन में अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिसमें इस बार का थीम स्वच्छ मन स्वच्छ शहर पर आधारित था। इसमें निकाय स्तर पर स्वच्छता दीदीयों, स्वच्छता कमांडो एवं समस्त सफाई कर्मचारियो को शामिल किया गया। सैकड़ो लोगो की उपस्थिति में योग का कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें आर्ट ऑफलिविगं संस्था से अंतराष्ट्रीय योग शिक्षक लिंका बुक ऑफ रिकार्ड से सम्मानित धीरज शर्मा अपनी टीम के साथ बालोद से आये। आकर योग के विभिन्न बारिकीयो को समझाते हुए योग सिखाया। प्रमुख रूप से ताड़ासन, नटराज आसन, भूजंग आसन, धनु आसन, अर्धसलभ आसन, पूर्णसलभ आसन, पदमासन, भ्रस्त्रिका प्राणायाम, भ्रमणी प्रणायाम, कपाल भारती, अनोम विलोम, आदि आसनो के बाद ध्यान करवाये। साथ ही जगत कल्याण के लिए प्रार्थना भी की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित वैशाली नगर विद्यायक रिकेश सेन ने योग करने के बाद उन्होने कहा शरीर और मन तरो ताजा हो गया है मैं एकदम फ्रेस महसूस कर रहा हूँ। जब हम योग नियमित करेगे तो अवस्य निरोग रहेगे। यह हमारे ऋषि मुनियों की धरोहर है, जिसमें सभी प्रकार के रोगो का निदान है, हमे करना चाहिए। कार्यक्रम के साथ ही उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव कोरबा से लाईव प्रसारण दिखाया गया, जिसमें उनके द्वारा स्वच्छता दीदी, स्वच्छता कमांडो, स्वच्छता कर्मचारियो एवं आम नागरिको के लिए संदेश का लाइव प्रसारण दिखाया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से प्रजापिता ब्रम्हकुमारी से आशा दीदी, आर्ट आफ लिविंग संस्था से भक्ति, दिनेश के साथ सदस्यगण, जोन अध्यक्ष, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, विभिन्न मंडलो के अध्यक्ष, कार्यकर्ता, समाजसेवी, एनडीआरएफ का दल, सेना एवं पुलिस फोर्स हेतु प्रशिक्षक मुकेश चैहान अपने सदस्यो के साथ, क्रिकेट, फूटबाल, बालीवाल, बाक्सिंग के खिलाड़ी, नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव, जोन आयुक्त येशा लहरे, स्वच्छता दीदी, स्वच्छता कमांडो, स्वच्छता कर्मचारी, सरिया जी का मिशन के शहरी आजीविका मिशन के मिशन मैनेजर ष श के साथ निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

करो योग रहो निरोग, स्वस्थ रहें मस्त रहें - संपत अग्रवाल

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कृषि उपज मण्डी परिसर सारंगढ़ के परिसर में दसवें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय सामान्य योगाभ्यास कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6.30 बजे किया गया। मुख्य अतिथि श्री संपत अग्रवाल, (विधायक बसना) कलेक्टर श्री धर्मेश कुमार साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि इस समारोह में शामिल हुए। मुख्य अतिथि का स्वागत पौधों के गुलदस्ता देकर किया गया।

नीलांचल सेवा समिति के माध्यम से सेवा देने वाले मुख्य अतिथि श्री संपत अग्रवाल ने कार्यक्रम की शुरुआत आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया ।स्कूल शिक्षा विभाग की व्यायाम शिक्षक ममता साहू ने योग प्रशिक्षक के रूप में योग कार्यक्रम की, जिनके अनुश्ररण सभी प्रतिभागियों ने किया।

किशोरी बालक बालिकाओं के दल ने मंच पर योग आसन सूर्य नमस्कार किया। बरमकेला के नन्हें 10 से 15 वर्ष के बच्चों ने विविध योग प्रदर्शन किए। मुख्य अतिथि श्री संपत अग्रवाल ने प्रशिक्षक ममता साहू सहित अन्य को इस अवसर पर पुरस्कार प्रदान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री संपत अग्रवाल ने कहा कि मैं नियमित रूप से योग करता हूं और आज मेरे इतने उम्र तक कभी बीमार होकर अस्पताल नही गया। यह स्वास्थ्य योग का देन है। नशा मुक्ति का उपाय है योग। हजारों साल से ऋषि मुनि योग करते आ रहे हैं। पूरा विश्व अंतराष्ट्रीय स्तर पर निरोग रहने के लिए योग का अभ्यास कर रहा है। गुरुओं के सानिध्य में रहकर योग करने से फायदा मिलता है। लाइलाज बीमारी का इलाज है योग। आम नागरिकों को भी सेहत के लिए योग करने समय निकालना चाहिए। करो योग रहो निरोग, स्वस्थ रहें मस्त रहें।

कलेक्टर धर्मेश साहू ने कहा कि योग जीवन का अंग है इसे सभी लोग अपनाए और अपने परिवार, दोस्त आदि को भी अपनाने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर सुभाष जालान, अरविंद हरिप्रिय, अजय गोपाल, अमित अग्रवाल, शिवकुमारी चौहान, पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा, नोडल अधिकारी योग हरिशंकर चौहान, पत्रकारगण, प्रांजल सेवा संस्थान के दिव्यांग बच्चे, अधिकारी कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में महिला और पुरुष उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन समाज कल्याण विभाग के उप संचालक विनय तिवारी के समन्वय से किया गया।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में बैगर सूचना के पीड़िता का गर्भपात कराने के आरोप में जय तुलसी नर्सिंग होम के संचालक जैन दंपत्ति गये जेल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पूर्व में थाना गैंदाटोला, जिला राजनांदगांव में पीड़िता की मां ने दिनांक 27.04.2024 को थाना आकर आवेदन दी, जिसमें उसके नाबालिग लड़की का दिमागी हालत ठीक नहीं है, उसका ईलाज देवादा अस्पताल में चल रहा है तथा वहीं की दवाई खिला रहे हैं। इसी माह नवरात्रि में जब उसकी लड़की का पेट बढ़ने लगा तथा पेट में दर्द होने की बात बताने पर उसे पास के गांव में लगे मेडिकल कैंप ले जाकर चेकअप कराने पर पेट में बच्चे होने व उसके पेट का सोनोग्राफी कराने डॉक्टर द्वारा बोलने पर प्रार्थिया ने पीड़िता को पेट में बच्चा के संबंध में पूछताछ करने पर पीड़िता ने बताया कि माह अक्टूबर 2023 में अपनी दीदी के साथ खेत धान काटने गई थी, तभी आरोपीगण सौरभ कंवर एवं डोमन कंवर मोटर साइकिल से खेत के पास आए और पीड़िता को उसके खेत के मेढ़ से उसके मुंह को दबाकर एक मोटर साइकिल में जबरन बैठाकर पास के पहाड़ी में ले जाकर उसके साथ जबरन बलात्कार किये और घटना के बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दिए थे, उसके बाद भी अलग अलग दिनांक में भी जबरन बलात्कार किए जाने की बात बताई। पीड़िता के पेट का राजनांदगांव में सोनोग्राफी कराये, पेट में दर्द बढ़ जाने से राजनांदगांव के जय तुलसी अस्पताल में भर्ती कराए, तो वहां के डॉक्टर के द्वारा चेकअप करने पर बच्चा खराब हो जाना व पीड़िता की उम्र कम होने के कारण मां नहीं बन सकती, पेट खाली करना पड़ेगा। डॉक्टर द्वारा बोलने पर प्रार्थिया व प्रार्थिया के पति की सहमति से दिनांक 23.04.2024 को पीड़िता का डाक्टर के द्वारा गर्भपात करना, आरोपियान सौरभ कंवर व डोमन कंवर के द्वारा पीड़िता का बलात्कार किए जाने की रिपोर्ट पर थाना में आरोपियों के विरूद्ध अप क्रमांक 31/2024 धारा 363, 366 (क), 376 (घ), 506 भादंवि एवं 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था तथा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपीयान सौरभ उर्फ भूरू कंवर पिता पंचूराम, उम्र 20 वर्ष एवं डोमन कंवर पिता चैतराम कंवर, उम्र 26 वर्ष दोनों निवासी ग्राम बेलरगोंदी, थाना गैंदाटोला, जिला राजनांदगांव को दिनांक 28.04.2024 को विधिवत आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया था। मामले में अग्रिम विवेचना दौरान पीड़िता के गर्भ के बच्चे को गर्भपात कराने वाले जय तुलसी अस्पताल के डॉक्टर श्रीमती विजयश्री जैन पति अमोलक कुमार जैन, उम्र 47 एवं अस्पताल के संचालक अमोलक कुमार जैन पिता स्व. मोतीलाल सिंघी, उम्र 50 दोनों निवासी-वार्ड नंबर 43, बसंतपुर, महेश नगर चौक, थाना बसंतपुर, जिला राजनांदगांव के द्वारा नाबालिग पीड़िता पर घटित घटना की सूचना स्थानीय पुलिस, विशेष किशोर पुलिस यूनिट में नहीं देने जो धारा 19 (1)/21(1)/पाक्सो एक्ट का अपराध घटित करना पाए जाने पर मामले में धारा 19 (1)/21(1) पाक्सो एक्ट जोड़कर आरोपियान डॉक्टर श्रीमती विजयश्री जैन एवं अस्पताल के संचालक अमोलक कुमार जैन को दिनांक 20 जून 2024 को विधिवत गिरफ्तार कर गिरफ्तारी की सूचना देते हुए मामले में अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से आरोपियों को न्यायालय द्वारा जेल भेजा गया है।

सार समाचार

सरेआम शराब सेवन करते 10 पकड़ाए

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार राजेन्द्र नगर पुलिस ने मेडिसाइन अस्पताल के पास सरेआम शराब पीते आरोपी राजेश ताण्डेकर 26 वर्ष, तेलीबांधा पुलिस ने आरोपी वैभव जैन 30 वर्ष, नेवरा पुलिस ने आरोपी होमलाल यादव 32 वर्ष, आजाद चौक पुलिस ने आरोपी सूरज चंदेल 25 वर्ष, टिकरापारा पुलिस ने आरोपी विनय जर्नादन 25 वर्ष, खरोरा पुलिस ने आरोपी नरेन्द्र साहू 18 वर्ष एवं माना पुलिस ने आरोपी विक्रम रॉय 22 वर्ष, शम्भूबरमन 31 वर्ष, शैलेन्द्र कुमार साहू 30 वर्ष व देवेन्द्र कुमार विश्वकर्मा 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

पेट्रोल पंप के पास खड़ी बाइक पार

रायपुर(समय दर्शन)। सिंघानिया चौक के पेट्रोल पंप के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी पंकज कुमार सिंह 24 वर्ष बड़ा अशोक नगर गुढ़ियारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एनपी 0164 को सिंघानिया चौक स्थित पेट्रोल पंप के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए पेट्रोल पंप की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

महिला इंजीनियर से 3 लाख की ठगी

रायपुर(समय दर्शन)। तेलीबांधा पुलिस थाना प्रभारी विनय सिंह बघेल ने बताया कि मौलश्री विहार, वीआइपी रोड निवासी कंचन शर्मा 34) सीएसपीडीसीएल में एई के पद पर नवा रायपुर में कार्यरत है।14 जून को उनके वाट्सएप पर मोबाइल नंबर 7732854771 सेगूगल रिव्यू देने का मैसेज आया, जिसे क्लिक करने पर 210 रुपये का क्रेडिट हुआ। इसके बाद दूसरे दिन सुबह नौ बजे से टेलीग्राम के गूगल रिव्यू के ग्रुप में एड करने पर 700 रुपये मिलना शुरू हुआ। इसके बाद शातिर ठग ने टास्क देने के नाम पर रकम मांगा। झांसे में आकर एई ने यूपीआइ के माध्यम से दोपहर तीन बजे से शाम सात बजे तक कुल दो लाख 87 हजार 500 रुपये अलग-अलग खाते में जमा कर दिया। इसके बाद से प्रत्येक टास्क में उन्हें नुकसान होना शुरू हुआ। तब ठगे जाने का एहसास हुआ।

संस्थागत प्रसव बढ़ाने के दिए निर्देश

कलेक्टर गौरव ने किया ग्राम परसुलीडीह में हेल्थ वेलनेस सेंटर का किया निरीक्षण

रायपुर(समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने आज अभनपुर विकासखंड के ग्राम परसुलीडीह के प्रवास पर गए। वहां उन्होंने हेल्थ वेलनेस सेंटर का निरीक्षण किया और दवाईयों की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने संस्थागत् प्रसव बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि श्रम विभाग के अंतर्गत पंजीयन कराकर श्रमिक कार्ड बनवाएं जिससे योजनाओं का सही समय पर लाभ मिल सके, यदि किसी हितग्राही ने प्रसव के कम से कम 03 माह पहले पंजीयन कराकर कार्ड बनवाया है तो बच्चे के जन्म के तीन माह के भीतर आवेदन देने पर योजना के तहत पंजीकृत महिलाओं को बीस हजार रूपये की प्रसुति सहायता दी जाती है, ताकि इस राशि का उपयोग कर महिलाएं अपने और अपने बच्चे के स्वास्थ्य के लिए उचित भरण-पोषण प्राप्त कर पाए। स्वास्थ्य विभाग की जननी सुरक्षा और जननी शिशु सुरक्षा और महिला बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ लिया जाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सिकल सेल अनुवांशिक रूप से होने वाले बीमारी है, जिसमें लाल रक्त कणिकाएं (आरबीसी) हसिया के आकार के हो जाती है। जिससे पीड़ित को परेशानी का सामना करना पड़ता है जिससे बचने का सबसे सही उपाय है कि हम इसके प्रति जागरूक हो। उन्होंने कहा कि जैसे हम शादी से पहले कुंडली मिलान करते हैं वैसे ही दोनो पक्ष सिकल सेल का परीक्षण कराएं। राज्य सरकार ने इसके लिए सिकल सेल डे के दिन सिकल सेल कार्ड का वितरण किया है, जिसका उपयोग कर इस बीमारी के फैलाव को रोका जा सकता है। इस अवसर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप, अभनपुर एसडीएम श्री रवि सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

सोशल मीडिया पर जिला प्रशासन एवं पुलिस की पैनी नजर

जिला स्तरीय सोशल मीडिया निगरानी समिति ने अब तक प्रेषित किए 55 प्रकरण, 3 व्यक्तियों पर अपराध दर्ज

रायपुर(समय दर्शन)। बलौदाबाजार जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने सोशल मीडिया पर जिला प्रशासन एवं पुलिस पैनी नजर रखे हुए हैं। जिसके तहत प्रशासन को बड़ी सफलता मिल रही है। जिला स्तरीय सोशल मीडिया निगरानी समिति ने अब तक 55 संदिग्ध प्रकरण (फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सप एवं एक्स की आईडी) पहचान कर एसडीएम के माध्यम से एसडीओपी को भेजा है। इसमें सायबर पुलिस एवं थाना प्रभारियों की मदद से 3 व्यक्तियों पर अपराध दर्ज कर लिया गया है। इसके साथ ही आज अन्य 4 व्यक्तियों की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। अनुविभाग बलौदाबाजार में 49 प्रकरण, कसडोल में 5 एवं सिमगा का एक प्रकरण शामिल हैं। सायबर सेल द्वारा लगातार संदिग्ध आईडी की पहचान हेतु गूगल, इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सप कंपनियों से संपर्क किया जा रहा है। जिला कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने जिले वासियों से अपील करते हुए किसी भी व्यक्ति को सोशल मीडिया में भड़काऊ कंटेन्ट पोस्ट करने से बचने के लिए कहा है। यदि किसी भी व्यक्ति का पोस्ट भड़काऊ या सामजिक सौहार्द्र बिगाड़ने वाला होगा तो निश्चित ही सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि कानून एवं व्यवस्था के संदर्भ में सोशल मीडिया के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया में जिले के सम्बन्ध में चल रही गतिविधियों पर निगरानी रखने एवं नकारात्मक गतिविधियों सम्बन्धी लेखों पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु जिला स्तरीय सोशल मीडिया निगरानी समिति का गठन किया गया है। जिसके माध्यम से सोशल मीडिया में नकारात्मक लेखों, तथ्यों पर 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है।

आयुक्त अबिनाष मिश्रा ने व्हीआईपी रोड में श्रीराम मंदिर के समीप के नाले की सफाई का निरीक्षण किया

जलभराव न हो एवं निकास सुगम रहे इस हेतु नाले में सघन सफाई करवाने कहा

रायपुर(समय दर्शन)। आज नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाष मिश्रा ने राजधानी शहर रायपुर में व्हीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर के समीप के बड़े नाले की सफाई व्यवस्था का मानसून पूर्व निरीक्षण किया। नगर निगम जोन 10 जोन कमिष्नर श्री रमेष जायसवाल, कार्यपालन अभियंता श्री दिनेष सिन्हा एवं संबंधित जोन अधिकारियों की उपस्थिति में निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा कर आवष्यक निर्देष दिये। आयुक्त श्री अबिनाष मिश्रा ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देषित किया कि वे विषेष ध्यान रखें कि श्रीराम मंदिर के समीप के नाले में मानसून की बारिष के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न होने पाये और नाले में निकास प्रबंधन मानसून में निरंतर सुगम बने रहे। आयुक्त ने नाला क्षेत्र में निरंतर सफाई सतत मॉनिटरिंग के साथ प्राथमिकता से जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से सुनिष्चित करवाने के निर्देष जोन 10 जोन कमिष्नर एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारी को दिये।

कलेक्टर ने महिला समूह से खरीदा वाशिंग पाउडर, सदस्यों ने कहा धन्यवाद सर

कलेक्टर पहुंचे थे ग्राम भरेंगा में पीडीएस दुकान के निरीक्षण पर

रायपुर(समय दर्शन)। ग्राम भरेंगा में उजाला महिला स्व-सहायता समूह के सदस्य आज प्रसन्न हो उठीं। जब वे कलेक्टर डॉ गौरव सिंह से उनकी मुलाकात हुई। कलेक्टर वहां उचित मूल्य के दुकान का निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। समूह की महिलाओं ने उनके द्वारा बनाई गई वाशिंग पाउडर दिखाई जिससे कलेक्टर ने इनके द्वारा बनाएं गए उत्पाद की सराहना की और उसी समय नगद देकर वाशिंग पाउडर की खरीदी की। महिलाओं ने प्रसन्न होकर कलेक्टर को धन्यवाद दिया। कलेक्टर वहां उचित मूल्य की दुकान भी गए और चावल, शक्कर और नमक के वितरण की जानकारी ली। वहां मौके पर ग्रामीणों ने पटवारी और पंचायत सचिव की शिकायत की। जिसपर कलेक्टर ने दोनो कर्मचारियों को नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित होने और जनता के कार्यों को प्राथमिकता से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। साथ ही वहीं पर मकान के आगे पानी भरने की समस्या बताई, जिसपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विश्वदीप उपस्थित थे।

अवांस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी)

नईदिल्ली। देश में संचालित शिक्षा केंद्रित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) अवांस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। अवांस फाइनेंशियल सर्विसेज 31 मार्च, 2024 तक प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) के हिसाब से भारत में दूसरी सबसे बड़ी शिक्षा केंद्रित एनबीएफसी है (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट)। वित्तीय वर्ष 2023 के दौरान इसका दूसरा सबसे अधिक डिसबर्समेंट हुआ और भारत में शिक्षा केंद्रित एनबीएफसी के बीच अवांस फाइनेंशियल ने वित्तीय वर्ष 2024 में कर के बाद दूसरा सबसे अधिक लाभ दर्ज किया। कंपनी फुल स्टैक एजुकेशन ऑफरिंग प्रदान करती है। इसमें छात्रों के लिए शिक्षा ऋण से लेकर शिक्षा संस्थानों के लिए ग्रोथ केपिटल जुटाने के लिए एजुकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर लोन भी शामिल है (स्रोतः क्रिसिल रिपोर्ट)। छात्र-ऋण - अंतर्राष्ट्रीय और शिक्षा ऋण - घरेलू व्यवसायों के माध्यम से, कंपनी भारतीय छात्रों और पेशेवरों को ऋण और अन्य मूल्यवर्धित सेवाएं प्रदान करती है, जिन्हें विदेशों में या घरेलू संस्थानों में अध्ययन करने के लिए भर्ती कराया जाता है। यह भारत में निजी शैक्षणिक संस्थानों को कोलेटरल समर्थित फाइनेंस भी प्रदान करता है। 3500 करोड़ तक के सार्वजनिक प्रस्ताव में 1000 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू और सेलिंग शेयरधारक (बिक्री के लिए प्रस्ताव) द्वारा 5 प्रत्येक इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य के साथ 2500 करोड़ तक का बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है।

नई दिल्ली में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आवास के बाहर एनईईटी और यूजीसी-नेट परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे भारतीय युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया।

ईवा वीमेन्स हॉस्पिटल में एडवांस एंडोमेट्रियोसिस व एडेनोमायसिस से पीड़ित मेंटली चैलेंज्ड रोगी का सफलतापूर्वक इलाज

अहमदाबादः ईवा वीमेन्स हॉस्पिटल ने एडवान्स एडेनोमायसिस से पीड़ित मानसिक रूप से विकलांग रोगी का सफलतापूर्वक इलाज किया, खास बात यह थी कि रोगी को स्टेज IV एंडोमेट्रियोसिस भी है जो एक गंभीर रोग है। नारणपुरा की निवासी 35 वर्षीय भूमिका प्रजापति मासिक धर्म के दौरान गंभीर रक्तस्राव और तीव्र दर्द से पीड़ित थी। उनके रोग की जटिलता अधिक हो गई क्योंकि वे मेन्टली चेलेन्ज्ड भी हैं, उन्हे असाधारण स्तर की देखभाल और विशेषज्ञता की आवश्यकता थी। ईवा महिला अस्पताल में डॉ. दीपक लिंबाचिया और उनकी अत्यधिक कुशल टीम ने रोगी की विशेष जरूरतों के अनुरूप उन्नत तकनीकों का उपयोग करके जटिल सर्जरी की। प्रक्रिया सफल रही जिससे उनके रोगों लक्षणों में काफी कमी आई। देश के प्रतिष्ठित लेप्रोस्कोपिक सर्जनों में से एक और ईवा महिला अस्पताल के संस्थापक डॉ. लिंबाचिया ने कहा, सुश्री प्रजापति के मामला काफी जटिल था. अत्यधिक चुनौतियाँ थीं और असाधारण देखभाल की आवश्यकता थी। हमारी टीम का समर्पण और ईवा वीमेन्स होस्पिटल में अत्याधुनिक सुविधाएं होने के कारण उपचार को हम प्रभावी ढंग से कर सके। हम सकारात्मक परिणाम से काफी खुश हैं ।

योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुचाएं - उपमुख्यमंत्री

किसानों को खाद बीज के लिए न हो परेशानी, अधिकारी इसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश

कबीरधाम में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा

रायपुर(समय दर्शन)। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा राज्य और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएँ का पूरी पारदर्शिता और दक्षता के साथ क्रियान्वयन हों और योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचना चाहिए। वें आज कबीरधाम जिला कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में राज्य तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रम एवं कबीरधाम जिले के समग्र विकास के लिए विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि खरीफ मौसम में किसानों को खाद, बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो किसानों को परेशानी न हो। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि जिले के एक भी पात्र किसान योजना से वंचित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित सभी स्कूलों में पेयजल, शौचालय सहित स्कूल भवन के बेहतर रख रखाव होना चाहिए। इसी प्रकार उन्होंने बीईओं एवं स्कूल समन्वयकों को स्कूलों का निरीक्षण करने और सभी स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव मनाने के भी निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने पीएम जनमन योजना की समीक्षा में कहा कि तकनीकी समस्या के कारण छूटे हुए 14 ग्रामों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि बोडला विकासखण्ड के 179 ग्राम और पंडरिया विकासखण्ड के 77 ग्राम शामिल है। इस दौरान उन्होंने वनांचल क्षेत्रों के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये।

देश भर की जूनियर गर्ल्स में आत्मविश्वास भरने आ रहा है जूनियर मिस इंडिया 2025

रायपुर। जूनियर गर्ल्स में आत्मविश्वास जगाकर उनका हौसला बढ़ाने वाला बहुप्रतीक्षित फैशन इवेंट जूनियर मिस इंडिया 2025 सीजन 3 जल्द आयोजित किया जाने वाला है। 5 से 16 वर्ष तक की बेटियों के लिए होने वाले इस भव्य फैशन इवेंट के लिए ऑडिशन शुरू किए जा चुके हैं। रायपुर में 23 जून, रविवार को रायपुर सिटी सेंट्रल मॉल में 11 बजे से 4 बजे तक ऑडिशन होंगे। इनमें शामिल होने के लिए www.juniormissindia.com पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के अलावा ऑनस्पॉट ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी दी गई है। जूनियर मिस इंडिया 2025 सीजन 3 का आयोजन माय सिटी इवेंट्स इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा किया जा रहा है। इसकी सीईओ मृदुला सोनी ने बताया कि देश भर के लगभग सभी राज्यों की बेटियों को फैशन, एक्टिंग और मॉडलिंग में करियर बनाने का अवसर देने के लिए 25 शहरों में सीजन 3 के ऑडिशन किए जा रहे हैं। भुवनेश्वर और लखनऊ में ऑडिशन हो चुके हैं जबकि 23 जून 2024 को कोलकाता और रायपुर में होंगे। हर वर्ष इस फैशन इवेंट के लिए हजारों रजिस्ट्रेशन होते हैं। कड़ी स्पर्धा के बाद ग्रैंड फिनाले के लिए 120 फाइनलिस्ट का चयन किया जाता है और फिर चार कैटेगरी में 12 विनर्स को चुना जाता है। डाईटिशियन एंड वेलनेस एक्सपर्ट शिल्पी गोयल, पेरेंटिंग कोच एंड फैशन डिज़ाइनर मनीषा अग्रवाल, कविता राठी और आकृति अग्रवाल बच्चों की परफॉरमेंस को जज करने के लिए एवं उनका उत्साहवर्धन करने के लिए ज्यूरी में शामिल होंगी। जिंदगी भर का हौसला देने वाली ट्रेनिंग, 100 से ज्यादा पार्टिसिपेंट्स फिल्म और सीरियल्स में माय सिटी इवेंट्स इंडिया कॉर्पोरेशन की सीईओ मृदुला सोनी ने कहा कि यह इवेंट सिर्फएक कॉम्पिटिशन नहीं है, बल्कि एक ऐसा ट्रेनिंग सेशन होता है जो गर्ल्स चाइल्ड को जिंदगी भर का हौसला देता है।

संपादकीय

ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ के दावे और सवाल रविवार को एक बार फिर से उठ खड़े हुए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मीडिया में मुंबई की एक खबर- जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोक सभा सीट से शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार ने चार जून को मतगणना के दौरान एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था जो ईवीएम से जुड़ा हुआ था-का हवाला देते हुए ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। हालांकि चुनाव आयोग ने मोबाइल से लिंक के दावे को खारिज कर दिया है, और फिर से स्पष्ट किया है कि ईवीएम स्वतंत्र प्रणाली है, और इसमें सुरक्षा के मजबूत उपाय हैं। राहूल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के चेयरमैन एवं टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के एक पोस्ट का हवाला भी दिया जिसमें मस्क ने दावा किया है कि ईवीएम में छेड़छाड़ का खतरा बहुत अधिक है। उनका कहना है कि ईवीएम को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए हैक किया जा सकता है, इसलिए इसे हटाया जाना चाहिए। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है, और किसी को भी उसकी जांच की अनुमति नहीं है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए आगामी सभी चुनाव मतपत्रों के जरिए कराने की मांग की है। बहरहाल, इस प्रकार ईवीएम पर सवाल उठाया जाना कोई नई बात नहीं है। काफी समय तक ईवीएम को लेकर पक्ष-प्रतिपक्ष के बीच तकरार रही। मामला अदालत में भी पहुंचा। अदालत ने स्पष्ट फैसला देकर इस विवाद का अंत कर दिया था। लेकिन नये घटनाक्रम के बाद प्रतिपक्ष ईवीएम को फिर से संदेह के घेरे में लाने को प्रेरित हुआ है। उसे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंता जतलाने, बल्कि कहें कि चुनाव में धांधली की आशंका जताने का मौका भी मिल गया है। प्रतिपक्ष चुनाव से जुड़ी संस्थाओं की जवाबदेही पर सवाल उठा रहा है, और जवाबदेही के अभाव में लोकतंत्र के दिखावा भर रह जाने की बात कह रहा है। ईवीएम को लेकर एक बार फिर से सियासी घमासान छिड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। जब ईवीएम को लेकर शक-संदेहों का चुनाव आयोग अपने स्तर पर निराकरण कर चुका है, अदालत ने भी व्यवस्था दे दी है, और सबसे बड़ी बात कि विपक्ष ईवीएम के जरिए चुनावी जीत को सहज लेता है, तो भी शक-संदेह जताना उसकी अपरिपक्वता दिखाता है।

विपक्ष नदारद था

नौ जून को सरकार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विदेशी मेहमान (पड़ोसी देशों के प्रमुख), फिल्मी मेहमान, कारोबारी मेहमान सब थे, लेकिन देश का विपक्ष नदारद था। राष्ट्रपति भवन के मैदान में हुए बड़े जलसे में देश-विदेश से 8000 से ज्यादा मेहमान बुलाए गए थे। विपक्ष को सम्मानपूर्वक आमंत्रित नहीं किया गया, इसलिए वहां देश की प्रमुख नेता सोनिया गांधी और शरद पवार नहीं दिखे। वाम राजनीति के बड़े चेहरे सीताराम येचुरी और डी राजा भी नहीं थे। जम्मू कश्मीर के बड़े नेता फारुख अब्दुल्ला और लोक सभा में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी के नेता अखिलेश यादव भी नहीं पहुंचे। न पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और न तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन नजर आए। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखिवंदर सिंह सुक्खू, झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन की अनुपस्थिति भी खल रही थी। ये सभी देश के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों का नेतृत्व करते हैं। विदेशी मेहमान विपक्षी नेताओं से भी परिचित हैं, इसलिए स्वाभाविक है उनके मन में भी यह सवाल आया होगा कि देश की सरकार बनने जैसे खास मौके पर विपक्ष क्यों उपस्थित नहीं रहा? इसे किस तरह से लिया होगा कहने की जरूरत नहीं है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से मिलने जब सोनिया गांधी का परिवार गया होगा तब अन्य बातों के साथ विदेशी मेहमान ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से उनके सरकार के साथ रिश्तों पर भी बात की होगी। विपक्ष का कहना है कि उसे शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित ही नहीं किया गया था। विपक्ष के सांसदों की भी ऐसे ही शिकायत थी। विपक्ष सच बोल रहा है अथवा झूठ यह तो वह जानता है या फिर सरकार। हालांकि यह भी सच है कि विपक्ष के आरोपों का सरकार ने कोई खंडन नहीं किया। सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं को शपथ ग्रहण समारोह के आमंतणपत्र पार्टी दफ्तर से लेने में कोई दिक्कत नहीं आई। यहां यह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जो राज्य सभा में विपक्ष के भी नेता हैं सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। बेमन से राष्ट्रपति भवन पहुंचे खरगे ने कहा कि वह संवैधानिक बाध्यता की वजह से यहां हैं, अपनी खुशी से नहीं। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट करके उनको बधाई दी अथवा नहीं, इसकी जानकारी दोनों नेताओं ने नहीं दी। सरकार बनने के बाद शिष्टाचारवश भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेता नहीं मिले। विपक्षी नेताओं ने सोशल मीडिया पर भी सरकार को बधाई देने में संकोच किया। पुरानी परंपराएं टूटने लगी है। संसदीय कार्य मंत्री और वरिष्ठ मंत्रियों ने सबसे बड़े विपक्षी दल के नेताओं से भी मुलाकात नहीं की। संसद के भीतर कानून सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सांसदों को मिलकर बनाना है इसलिए उनके बीच दुआ-सलाम तो हर हाल में बनी ही रहनी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच रिश्तों में खिंचाव का असर गठबंधन सरकार और संसद पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। नई लोक सभा के अध्यक्ष का 26 जून को चुनाव होना है। लोक सभा का अध्यक्ष निर्विरोध चुनवाने के लिए सरकार को विपक्ष की मदद की जरूरत होगी। चूंकि दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं है इसलिए इसमें कठिनाई जाएगी। विपक्ष दो ही स्थिति में सरकार को सहयोग कर सकता है। या तो सरकार विपक्ष को उपाध्यक्ष का पद देने का प्रस्ताव करे अथवा ऐसे सांसद को लोक सभा अध्यक्ष का उम्मीदवार बनाए जो सर्वमान्य हो। कारपोरेट नहीं कोऑपरेटिव वाली गठबंधन सरकार जिन क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाना चाहती है उनमें से एक क्षेत्र है सहकारिता। इसके जरिए सरकार यह धारणा भी बनाना चाहती है कि वह कारपोरेट को नहीं कोऑपरेटिव (सहकारिता) को बढ़ावा दे रही है।

मीडिया के लिए 'वॉचडॉग' की भूमिका में सोसायटी

प्रो. मनोज कुमार

पत्रकारिता के इतिहास में हमें पढ़ाया और बताया जाता है कि पत्रकारिता सोसायटी के लिए 'वॉच डॉग' की भूमिका में है लेकिन बदलते समय में अब सोसायटी पत्रकारिता के लिए 'वॉच डॉग' की भूमिका में आ गया है। पत्रकारिता के कार्य-व्यवहार को लेकर समाज के विभिन्न मंचों पर चर्चा हो रही है। उनके कार्यों की मीमांसा की जा रही है और जहां पत्रकारिता अपने दायित्व से थोड़ा भी आगे-पीछे होता है तो सोसायटी पत्रकारिता को चेताने का कार्य करता है। इस तरह सोसायटी पत्रकारिता के लिए एक नई भूमिका में है जिसे हम कह सकते हैं कि वह 'वॉच डॉग' की भूमिका का निर्वहन कर रहा है। मीडिया के विस्तार के साथ शिकायतों का अंबार बढ़ा है और उसकी निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। मीडिया पर एकपक्षीय होने का आरोप भी लगने लगा है। ऐसे में सोसायटी स्वयं होकर मीडिया की निगरानी करने जुट गया है। सोसायटी की इस नयी भूमिका का स्वागत किया जाना चाहिए। सवाल यह भी है कि मीडिया अपने हिस्से का काम कर रही है किन्तु उस पर नियंत्रण किसी का नहीं है। नियंत्रण के अभाव में मीडिया अपने निहित उद्देश्यों से भटकने लगे तो कौन उन्हें सजग और सचेत करे? ऐसी स्थिति में मीडिया पर नकेल डालने की जिम्मेदारी स्वयं सोसायटी ने अपने कंधों पर ले ली है। मीडिया की तीसरी आंख से आम-ओ-खास भयभीत रहते हैं, उसे सोसायटी के एक जागरूक टीम ने आगाह कर दिया है कि वह सोसायटी की सुरक्षा और शांति के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करे किन्तु अपनी शक्ति का बेजा इस्तेमाल ना करे।

यह वही मीडिया है जो बरगद के रूप में अपनी जड़ें फैलाये हुए पत्रकारिता कहलाता था। टेलीविजन के आने के बाद टेलीविजन, रेडियो और अखबारों को मिलाकर स्वयंभू मीडिया कहलाने लगा। पत्रकारिता अपनी रफ्तार से कार्य कर रही है और मीडिया बेलाग होती जा रही थी। निश्चित रूप से अखबारों के मुकाबले टेलीविजन का असर ज्यादा होता है और यह लोगों को मोहित कर लेता है। अपनी ताकत दिखाने और टीआरपी जुगाड़ करने के फेर में मीडिया में कई बार नकली और मनगढ़ंत खबरों का प्रसारण भी हो जाता है। खबर सच्ची है या झूठी, यह जानने का कोई बैरामीटर आम आदमी के पास नहीं होता है और वह ऐसी ही खबरों को सच मान लेता है। इन कारणों से समाज में एक-दूसरे के प्रति अविश्वास का भाव उत्पन्न होता है। मीडिया की साख गिरती है। यह वही समय है जब मीडिया नियंत्रण की चर्चा होने लगती है लेकिन स्व-अनुशासन की बात तो दूर की कौड़ी हो गई है। पूर्व निर्धारित मानदंडों को भी मीडिया अनदेखा कर खबरों का, रिपोर्ट्स का प्रसारण-प्रकाशन करती है। इसे एक तरह से आप मीडिया का संक्रमण काल भी कह सकते हैं। मीडिया की इस मनमानी के चलते बड़ी संख्या में लोग टेलीविजन से स्वयं को दूर कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि मीडिया उन्हें गलत खबरें दिखा और बता रहा है। इस स्थिति से उबरने के लिए मीडिया पर सोसायटी स्वयं होकर निगरानी करने लगा है। जैसे मीडिया के पास सोसायटी की निगरानी करने, अच्छा-बुरा दिखाने और लोकमानस के कुशल मंगल की कामना करने के अलावा कोई अन्य वैधानिक अधिकार नहीं है, ठीक वैसी ही स्थिति में सोसायटी की भी है। लेकिन सोसायटी जब मीडिया के अनियंत्रित व्यवहार को देखती है तो आगे बढकर वह अपना विरोध दर्ज कराती है और इसके बाद भी मीडिया के कार्य-व्यवहार में सुधार नहीं दिखता तो मीडिया का बहिष्कार करना शुरू कर देती है। मीडिया के पास तो बहिष्कार का भी अधिकार नहीं है।

सोसायटी के पास पराधीन भारत से लेकर स्वतंत्र भारत तक कभी चार पन्ने तो आज 12 और 20 पन्नों का अखबार आता है। सोसायटी का पहले भी भरोसा अखबारों पर था और आज भी उसका यकिन अखबारों पर ही है। आहिस्ता-आहिस्ता सोसायटी अखबारों की दुनिया में लौटने लगी है। सोसायटी का अखबारों पर विश्वास का एक बड़ा कारण है उसकी टाइमिंग को लेकर। 24 घंटे में अखबार का प्रकाशन सामान्य स्थिति में एक बार होता है। इसलिए अखबार के पास खबरों के लिए युद्ध की स्थिति नहीं होती है वहीं टेलीविजन के पास 24 घंटे ताजी और नई खबरें दिखाने का दबाव बना रहता है। ऐसे में खबरों का दोहराव और कई बार जबरिया खबर गढने का उपक्रम जारी रहता है। अखबार और टेलीविजन की भाषा को लेकर भी विरोधाभाष की स्थिति बनी रहती है। भाषा पर भी टेलीविजन का कोई नियंत्रण नहीं होता है जबकि अखबारों की भाषा संयत और सुसंस्कृत होता है। 50 वर्ष पार लोगों में ऐसे अनेक लोग मिल जाएंगे जिन्होंने भाषा की मर्यादा अखबार को पढ़ कर सीखा लेकिन आज के 25 वर्ष का युवा टेलीविजन को देखता है लेकिन उसकी भाषा में ना तो संयम है और ना ही सुसंस्कृत। यही कारण है कि आज का युवा अंग्रेजी-हिन्दी को मिलाकर काम चला रहा है। ऐसे में टेलीविजन से ज्यादा भरोसा लोगों का अखबारों पर है।

मीडिया का एक अनिवार्य हिस्सा रेडियो है। जब हम टेलीविजन और अखबारों की तुलना रेडियो से करते हैं तो पाते हैं कि रेडियो ज्यादा विश्वसनीय, प्रभावी और लोकमंगल के अपने दायित्व की पूर्ति करता है। सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के तीन निहित उद्देश्यों की पूर्ति रेडियो करता है। वर्तमान समय में रेडियो का भी विस्तार हुआ है और आकाशवाणी के साथ सामुदायिक रेडियो और एफ़एम रेडियो अस्तित्व में आ चुका है। विस्तार के पश्चात भी रेडियो के इन तीनों प्रभाग पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहे हैं। आकाशवाणी के बारे में सभी को ज्ञात है कि उसकी कार्य प्रणाली क्या है किन्तु सामुदायिक रेडियो को सोसायटी ने अभी पूरी तरह नहीं जाना है क्योंकि सामुदायिक रेडियो एक सीमित क्षेत्रफल में कार्य करता है लेकिन उसका संचार प्रभाव व्यापक है। लोक संस्कृति, साहित्य को संरक्षण देने के साथ वह विपदा के समय लोगों को आगाह करता है और बड़े खतरे से बचाता है। समुद्री इलाकों में अक्सर तूफान आते हैं और मौसम विभाग की मदद से अपने प्रसारण क्षेत्र में वह इस सूचना को प्रसारित कर जान-माल के नुकसान से बचाता है। ऐसी और भी कई विपदा के समय सामुदायिक रेडियो अपनी भूमिका का जिम्मेदारी से निर्वहन करता है। एक अन्य एफ़एम रेडियो बिजनेस मॉडल है। मूल रूप से यह मनोरंजन का कार्य करता है और साथ में समय-समय पर सोसायटी की जरूरत के अनुरूप सूचना का प्रसारण करता है। इस तरह हम मीडिया के स्वरूप का आंकलन करते हैं और यह सुनिश्चत कर पाते हैं कि सोसायटी का नियंत्रण जरूरी है।

पत्रकारिता का संबंध सूचनाओं को संकलितऔर संपादित कर आम पाठकों तक पहुंचाने से है। लेकिन हर सूचना समाचार नहीं है। पत्रकार कुछ ही घटनाओं, समस्याओं और विचारों को समाचार के रूप में प्रस्तुत करते हैं। किसी घटना को समाचार बनने के लिए उसमें नवीनता, जनरुचि, निकटता, प्रभाव जैसे तत्वों का होना शरूरी है। समाचारों के संपादन में तथ्यपरकता, वस्तुपरकता, निष्पक्षता और संतुलन जैसे सिद्धांतों का ध्यान रखना पड़ता है। इन सिद्धांतों का ध्यान रखकर ही पत्रकारिता अपनी विश्वसनीयता अर्जित करती है। लेकिन पत्रकारिता का संबंध केवल समाचारों से ही नहीं है। उसमें सम्पादकीय, लेख, कार्टून और फोटो भी प्रकाशित होते हैं। पत्रकारिता के कई प्रकार हैं। उनमें खोजपरक पत्रकारिता, वॉचडॉग पत्रकारिता और एडवोकेसी पत्रकारिता प्रमुख है।

पत्रकारिता का हमारा पेशा हमसे असमान्य मेहनत की मांग करता है. इस पेशे में तमाम किस्म के मुद्दों पर गहरी समझ की दरकार होती है और साथ-साथ फौरन से पेशतर फैसले लेने की क्षमता. चूंकि पत्रकारों को समाज के ताकतवर तबकों के दबाव और रोष का भी लगभग सामना करना पड़ सकता है, इसलिए किसी खबर पर काम करने के सभी चरणों के दौरान आपमें ऐसी स्थितियों से निपटने का कौशल और रणनीति होना भी जरूरी है, कहानी के छपने से पहले और छपने के बाद भी। दुश्वारियों से भरे इस पेशे में आपको स्व-रक्षा कवच भी विकसित करने होंगे। इन कवचों को जंग लगने से बचाने और कारगर बनाए रखने के लिए समय-समय पर उनकी साफ-सफाई और देखरेख भी जरूरी है। अधिकांशत: मैं राजनेताओं द्वारा कही गई बातों को घास नहीं डालता, लेकिन पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट का हमारे पेशे को लेकर यह कथन मुझे बहुत माकूल लगता है।

लब्ध प्रतिष्ठित सम्पादक अज्ञेय के अपने निश्चित मानदंड थे, जिससे उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। अज्ञेय जी की संपादन नीति ही थी जिससे उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। उनके अपने निश्चित मानदंड थे जिन पर वे कार्य करते थे। उन्होंने सम्पादकों एवं पत्रकारों को भी मानदंडों पर चलने को प्रेरित किया। 'आत्मपरक' में अज्ञेय नीतिविहीन कार्य को ही उन्होंने पत्रकारों एवं सम्पादकों की घटती प्रतिष्ठा का कारण बताया था। उन्होंने कहा कि-''अप्रतिष्ठा का प्रमुख कारण यह है कि उनके पास मानदंड नहीं है। वहीं हरिशचन्द्रकालीन सम्पादक-पत्रकार या उतनी दूर ना भी जावें तो आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी का समकालीन भी हमसे अच्छा था। उसके पास मानदंड थे, नैतिक आधार थे और स्पष्ट नैतिक उद्देश्य भी। उनमें से कोई ऐसे भी थे जिनके विचारों को हम दकियानूसी कहते, तो भी उनका सम्मान करने को हम बाध्य होते थे। क्योंकि स्पष्ट नैतिक आधार पाकर वे उन पर अमल भी करते थे- वे चरित्रवान थे।''

अज्ञेय जी का मानना था कि पत्रकार अथवा सम्पादक को केवल विचार क्षेत्र में ही बल्कि कर्म के नैतिक आधार के मामले में भी अग्रणी रहना चाहिए। भारतीय लोगों पर उन व्यक्तियों का प्रभाव अधिक पड़ा है जिन्होंने जैसा कहा वैसा ही किया। 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे' की परम्परा पर चलने वाले लोगों को भारत में अपेक्षाकृत कम ही सम्मान मिल पाया है। संपादकों एवं पत्रकारों से कर्म क्षेत्र में अग्रणी रहने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि- 'आज विचार क्षेत्र में हम अग्रगामी भी कहला लें, तो कर्म के नैतिक आधारों की अनुपस्थिति में निजी रूप से हम चरित्रहीन ही हैं और सम्मान के पात्र नहीं हैं।'

अज्ञेय पत्रकारिता को विश्वविद्यालय से भी महत्वपूर्ण और ज्ञानपरक मानते थे। इसका एक उदाहरण है जब योगराज थानी पीएचडी करने में लगे हुए थे, तब अज्ञेय जी ने उनसे कहा कि-'पत्रकारिता का क्षेत्र विश्वविद्यालय के क्षेत्र से बड़ा है, आप पीएचडी का मोह त्यागिए और इसी क्षेत्र में आगे बढ़िए।'

पराधीन भारत में अखबारों की भूमिका महती रही है। लेकिन ऋषि परम्परा के सम्पादकों को यह भान हो गया था कि आने वाले समय में अखबारों की आत्मा मर जाएगी। हालांकि तब इन सम्पादकों को यह ज्ञात नहीं था कि भविष्य में पत्रकारिता का स्वरूप मीडिया हो जाएगा। यदि ऐसा होता तो पत्रकारिता के युग पुरुष पराडक़रजी ने अखबारों के बारे में जो लिखा है, वह तो सत्य है लेकिन मीडिया के बारे में वे और जाने क्या भविष्य बांचते। फिलहाल अखबारों के बारे में पराडक़रजी की टिप्पणी आज भी सामयिक है।

1925 में वृन्दावन में हिन्दी साहित्य सम्मेलन के प्रथम सत्र की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने जो भविष्यवाणी की थी, वह आज प्रत्यक्ष हो रही है। पराडक़र जी ने कहा था कि 'स्वाधीनता के बाद समाचार पत्रों में विज्ञापन एवं पूंजी का प्रभाव बढ़ेगा। सम्पादकों की स्वतंत्रता सीमित हो जाएगी और मालिकों का वर्चस्व बढ़ेगा। हिन्दी पत्रों में तो यह सर्वाधिक होगा। पत्र निकालकर सफलतापूर्वक चलाना धनिकों या संगठित व्यापारिक समूहों के लिए ही संभव होगा।

पत्र की विषय वस्तु की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा था कि पत्र सर्वांग सुन्दर होंगे, आकार बड़े होंगे, छपाई अच्छी होगी, मनोहर, मनोरंजक और ज्ञानवर्धक चित्रों से सुसज्जित होंगे, लेखों में विविधता और कल्पनाशीलता होगी। गम्भीर गद्यांश की झलक और मनोहारिणी शक्ति भी होगी। ग्राहकों की संख्या लाखों में गिनी जाएगी। यह सब होगा; पर समाचार पत्र प्राणहीन होंगे। समाचार पत्रों की नीति देशभक्त, धर्मभक्त या मानवता के उपासक महाप्राण सम्पादकों की नीति न होगी। इन गुणों से सम्पन्न लेखक विकृत मस्तिष्क के समझे जायेंगे। सम्पादक की कुर्सी तक उनकी पहुंच भी न होगी।

वे कहते थे कि पत्रकारिता के दो ही मुख्य धर्म हैं। एक तो समाज का चित्र खींचना और दूसरा लोक शिक्षण के द्वारा उसे सही दिशा दिखाना। पत्रकार लोग सदाचार को प्रेरित कर कुरीतियों को दबाने का प्रयत्न करें। वर्तमान परिवेश में पराडक़र जी की बातें सौफीसदी सच हो रही है। मीडिया पूंजीपतियों के हाथों में खेल रही है और आम आदमी स्वयं को ठगा सा महसूस कर रहा है। मीडिया पर नियंत्रण के लिए कोई निश्चित कानून नहीं होने के कारण अनेक बार मीडिया मनमानी करता है। स्व-नियंत्रण की बात अनेक बार आयी लेकिन नतीजा हमेशा सिफर रहा। हालांकि वर्तमान दौर पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक एवं इंटरनेट का है और मीडिया उस पर आश्रित हो गया है। एआई और चैट जीपीटी जैसे प्रोग्राम के सहारे आधी-अधूरी जानकारी के साथ मीडिया आगे बढ़ रहा है।

भूख, अल्प पोषण से मृत्यु

भारत डोगरा

समकालीन दुनिया की एक बड़ी त्रासदी यह है कि पिछले कुछ दशकों में अफ्रीका महाद्वीप में लाखों लोगों की भूख, अल्प पोषण से मृत्यु हुई है। पर्यावरण और विकास पर विश्व आयोग (ब्रुंडटलैंड आयोग) ने अनुमान लगाया था कि 1984-87 के बीच अढ़ाई वर्ष में अफ्रीका में इस कारण लगभग दस लाख लोगों की मौत हुई। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन के अनुमान के अनुसार 1984-92 के दौरान अफ्रीका में भूख के कारण बीस से तीस लाख मौतें हुई। 1984-85 के दौरान केवल इथियोपिया में 3 लाख मौतें अकाल के कारण हुई और मोजाम्बीक में एक लाख मौतें इस कारण हुई। 2011 में सोमालिया में भूख और अकाल से 2 लाख 60 हजार लोगों की मृत्यु हुई।

कई महीनों से भीषण भूख और कुपोषण से पैदा होने वाली कमजोरी, निरंतर राहत का इंतजार, इस सबके बीच भी जगह-जगह हिंसा का तांडव और राहत की उम्मीद टूटना, फिर इस सबके बाद परिवार के एक या अधिक सदस्यों का बिछुड़ना यह स्थिति बेहद दर्दनाक है और यह स्थिति मनुष्य की इतनी तरक्की, प्रकृति पर उसकी विजय और विज्ञान की आश्चर्यजनक उपलब्धियों के बावजूद हमारे सामने है। सोचने को मजबूर होना पड़ता है कि दुनिया विकास के रास्ते पर आखिर कहां तक पहुंच सकी है, और कहां जा रही है। इस स्थिति का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इस बड़ी मानवीय त्रासदी के प्रति विश्व में काफी हद तक संवेदनहीनता बनी हुई है। व्यापक स्तर पर तो यही देखा जा रहा है कि दुनिया के सुख-समृद्धि के इलाकों में भोग-विलास की संस्कृति अफ्रीका के इस संकट से लगभग पूरी तरह बेखबर होकर पहले से भी और आगे बढ़ती जा रही है।

अफ्रीका के एक बड़े क्षेत्र की यह स्थिति कैसे हुई? इसकी शुरुआत तो बहुत पहले ही हो गई थी जब गुलाम व्यापार के अंतर्गत अफ्रीका के बहुत से युवकों को बाहर के देशों में बेचा गया। इस कारण कृषि कार्य के लिए उपलब्ध श्रम-शक्ति में कमी आई और उस पर समुचित ध्यान न दिया जा सका। औपनिवेशिक काल में किसानों और पशुपालकों पर तरह-तरह के कर लगाए गए। इसके लिए उन्हें भूमि की क्षमता से अधिक खेती करनी पड़ी या चरागाहों का अत्यधिक दोहन करना पड़ा। किसानों पर तरह-तरह से दबाव डाला गया कि वे अपनी खाद्य फसलों के स्थान पर उन व्यापारिक फसलों का उत्पादन करें जिन्हें विदेशी शासक अपने कच्चे माल के लिए चाहते थे। अफ्रीका की जलवायु, मिट्टी और अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यहां कई शताब्दियों के अनुभव के आधार पर कृषि और पशुपालन के अपने ही तरह के तौर-तरीके विकसित किए गए थे।

औपनिवेशिक शासकों को न तो इनकी समझ थी, न इनकी परवाह थी। उनके सामने तो बस अपने हित थे और इनके अनुकूल वे यहां की कृषि और पशुपालन व्यवस्था पर कोई भी बदलाव थोपने में नहीं हिचकते थे। इससे हो रहे नुकसान को अनेक देशों में आजादी के बाद भी नहीं पहचाना गया। विदेशी निवेश और सहायता के नाम पर आई बड़ी-बड़ी कंपनियों ने मनमाने ढंग से भू-उपयोग और फसल-चक्र में परिवर्तन किए। अफ्रीका के कुछ देशों में कुछ बड़ी खाद्य कंपनियों ने अपने व्यापारिक हितों के प्रसार की अच्छी संभावनाएं देखीं। एक ओर तो उन्हें यहां बहुत बड़े पैमाने पंर खाली जमीन मिल सकती थी जितनी शायद दुनिया के किसी अन्य भाग में नहीं। दूसरे, इस जमीन का उपयोग यूरोप और पश्चिम एशिया के अधिक क्रय शक्ति वाले बाजार के लिए सब्जियां और फल उगाने के लिए किया जा सकता था, क्योंकि अफ्रीका के इन देशों (जैसे सेनेगल) की दूरी पश्चिम एशिया और यूरोप, दोनों से अधिक नहीं थी।

ऐसी फसलों का भी उत्पादन आरंभ किया गया जो भूमि के अनुकूल नहीं थीं। बड़े बांधों आदि से कई जगह विस्थापन हुआ। इस तरह अफ्रीका की बहुत सी अच्छी जमीन को इन बड़ी कंपनियों ने घेर लिया। इन देशों की सरकारों का अधिक ध्यान इन निर्यात की फसलों के सफल उत्पादन और इन बड़ी प्लांटेशनों की सही देखरेख की ओर चला गया। देश की बहुत सी जमीन और अन्य संसाधन निर्यात फसलों के उत्पादन में लग गए और स्थानीय खाद्य फसलों की ओर कम ध्यान दिया जाने लगा। वन विनाश भी बहुत हुआ। इस विकास की बहुत सी विसंगतियां बाद में अकाल के समय सामने आई। यह देखा गया कि नई प्लांटेशनों के कारण अनेक घुमंतू पशुपालकों के परंपरागत मार्ग अवरुद्ध हो गए थे। इन नये बाग-बगीचों के आसपास बड़ी संख्या में ऐसे पशुपालकों की मौत के समाचार मिले। यह भी देखा गया कि एक ओर जब भूख से इन देशों में हजारों लोग मर रहे थे उसी समय हवाई जहाजों को ताजा सब्जियों और फलों से लाद कर यूरोप के देशों में भेजा जा रहा था। अफ्रीका में भूख के बढ़ते संकट के लिए वहां का अपना अभिजात्य वर्ग भी कोई कम जिम्मेदार नहीं है। औपनिवेशिक समय से ही बाहरी शासकों की देखा-देखी उन्होंने शानो-शौकत की तरह-तरह की गैर-जरूरी उपभोक्ता वस्तुओं के आयात की आदत बना ली थी, पर इस आयात के लिए विदेशी मुद्रा कहां से मिलती? इसके लिए किसानों पर निर्यात की दृष्टि से उपयोगी फसलों के लिए जोर डाला गया और खाद्य फसलों के उत्पादन की विशेष उपेक्षा हुई। इस कारण सूखे जैसे संकट का सामना करने के लिए अनाज के पर्याप्त भंडार प्राय: यहां जमा नहीं हो सके। कुछ सरकारों ने जरूर अलग नीति अपनाने का प्रयास किया जैसे जिंबाब्वे में रॉबर्ट मुगाबे की सरकार ने और इन प्रयासों के फलस्वरूप उन्हें खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने में सफलता भी मिली, पर अधिकतर अन्य देशों की स्थिति निराशाजनक ही रही। यदि अफ्रीका के देशों को अपनी निर्यात फसलों के लिए उचित मूल्य मिलता रहता तो गनीमत थी, पर जैसा कि पिछले अनेक वर्षो में देखा गया है कि कुछ खास मौकों को छोड़कर अफ्रीका के देशों से निर्यात होने वाली निर्यात फसलों के मूल्य की स्थिति अच्छी नहीं रही है। विदेशी मुद्रा कमाने के लिए निर्यात फसलों का बढ़-चढ़ कर उत्पादन करने के बावजूद इन देशों की विदेशी मुद्रा की स्थिति निरंतर बिगड़ती ही गई।

विकसित देशों और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के कर्ज का बोझ उन पर बढ़ता गया। उनकी निर्यात आय का बड़ा हिस्सा ऋण की वार्षिक अदायगी में निकल जाने से उन्हें निर्यात फसलों को बढ़ाने के लिए और भी जोर देना पड़ा। ऋणग्रस्तता बढ़ जाने के बाद ऋणदाताओं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने आर्थिक नीति-संबंधी अपनी नीतियां मनवानी भी आरंभ की जिससे सरकारी खर्च में कमी करनी पड़ी और अनेक जरूरी विकास कार्य और राहत कार्य में भी बाधा पड़ी। इसमें संदेह नहीं कि भुखमरी का संकट बढ़ जाने के बाद अनेक विकसित देशों से खाद्यान्न और अन्य सहायता अफ्रीका में भेजी गई है, पर यहां की स्थिति इतनी बिगड़ी, इसमें भी विकसित देशों के शोषण और अपने आर्थिक हित साधने की नीतियों का कम हाथ नहीं है। अफ्रीका के अनेक देशों में आंतरिक कलह, हिंसा की वारदातों और कुछ जगह तो गृहयुद्ध जैसी स्थिति के कारण भी अकाल की स्थिति अधिक विकट हुई है।

ब्रह्मा-विष्णु में परस्पर श्रेष्ठता के विवाद में केतकी पुष्प ने भी ब्रह्मा के पक्ष में विष्णु को असत्य साक्ष्य दिया। इस पर भगवान शिव प्रकट हो गये और उन्होंने असत्यभाषिणी केतकी पर क्रुद्ध होकर उसे सदा के लिए त्याग दिया। तब ब्रह्माजी ने भी लज्जित होकर भगवान विष्णु को नमस्कार किया। उसी दिन से भगवान शंकर की पूजा में केतकी पुष्प के चढ़ाने का निषेध हो गया।

शिव पूजा में केतकी पुष्प का निषेध

एक बार ब्रह्मा-विष्णु में परस्पर विवाद हुआ कि दोनों में श्रेष्ठ कौन है? उसी समय एक अखण्ड ज्योति लिंग के रूप में प्रकट हुई तथा आकाशवाणी हुई कि आप दोनों इस लिंग के ओर-छोर का पता लगायें। जो पहले पता लगायेगा, वही श्रेष्ठ होगा। विष्णु पाताल की ओर गये और ब्रह्मा ऊपर की ओर। विष्णु थककर वापस आ गये। ब्रह्माजी शिव के मस्तक से गिरे हुये केतकी पुष्प को लेकर ऊपर से लौट आये और विष्णु से कहा कि यह केतकी पुष्प मैंने लिंग के मस्तक से प्राप्त किया है। केतकी पुष्प ने भी ब्रह्मा के पक्ष में विष्णु को असत्य साक्ष्य दिया। इस पर भगवान शिव प्रकट हो गये और उन्होंने असत्यभाषिणी केतकी पर क्रुद्ध होकर उसे सदा के लिए त्याग दिया। तब ब्रह्माजी ने भी लज्जित होकर भगवान विष्णु को नमस्कार किया। उसी दिन से भगवान शंकर की पूजा में केतकी पुष्प के चढ़ाने का निषेध हो गया।

यह माया इतनी प्रबल है कि यह ज्ञानियों को भी मोह में डाल देती है। स्वयं देवाधिदेव लक्ष्मीपति भगवान विष्णु भी इस महामाया से अछूते नहीं हैं। जब देवता या मनुष्य इनकी स्तुति करते हैं, तब प्राणियों के दुःख का नाश करने के लिये वे भगवती जगदम्बा प्रकट होती हैं। वे भगवती दैव के अथवा काल के अधीन नहीं हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश तो निमित्त मात्र हैं। उन्होंने सरस्वती, लक्ष्मी तथा पार्वती के रूप में उन्हें अपनी शक्तियां प्रदान की हैं। एक अन्य कथा के अनुसार, भगवान विष्णु गरुड पर नारदजी को बैठाकर एक दिव्य रमणीय सरोवर के तट पर ले गये और उनसे उनमें स्नान करने को कहा। उस सरोवर में जैसे ही नारदजी ने डुबकी लगायी, वे एक सुंदर युवती के रूप में परिणत हो गये। सरोवर से निकलने पर उन्हें अपने स्वरूप का ज्ञान विस्मृत हो चुका था। भगवान विष्णु वहां से अन्तर्धयान हो चुके थे। इतने में ही तालध्वज नामक एक राजा उधर आ निकला और सुंदर स्त्री के रूप में नारदजी को देखकर उसने उनसे प्रणय याचना की। नारदजी को अपना ज्ञान तो विस्मृत हो ही चुका था, स्त्री के रूप में उन्हें आश्रण की आवश्यकता भी थी, अतः वे राजा तालध्वज की महारानी बन गये। कालान्तर में वे अनेक पुत्रों की माता भी बने। उनके अनेक पौत्र भी हुये। इस प्रकार वे मायाविमोहित हो अपने परिवार में अत्यन्त आसक्त हो गये, उनका दिव्य ज्ञान विस्मृत हो चुका था। एक बार किसी दूसरे देश के राजा ने तालध्वज के राज्य पर आक्रमण कर दिया। भयानक संग्राम में राजा तालध्वज के सभी पुत्र और पौत्र मारे गये। स्त्री रूप धारी नारदजी ने रणभूमि में जाकर अपने पुत्र-पौत्रों को मृत देखा तो विलाप करने लगे। इतने में वृद्ध ब्राह्मण रूपधारी भगवान विष्णु ने वहां आकर उनको जगत की नश्वर गति समझाते हुए सरोवर में स्नान कर मृत पुत्र-पौत्रों को तिलांजलि देने को कहा। तब जैसे ही स्त्रीरूपधारी नारदजी ने उस सरोवर में डुबकी लगायी तो वे अपने वास्तविक नारद रूप में आ गये। भगवान विष्णु तट पर उनकी वीणा और मृगचर्म लिये खड़े थे। नारदजी को पुनः अपने स्वरूप की स्मृति हो आयी तो वे विस्मय में पड़ गये, उन्हें विस्मयान्वित देखकर भगवान विष्णु ने कहा- हे नारद! यहां आओ, वहां क्या कर रहे हो?

इधर राजा तालध्वज अपनी स्त्री को सरोवर से वापस न आया देखकर विलाप करने लगे। तब भगवान विष्णु तथा नारद ने उन्हें प्रबोधित किया। उनकी ज्ञान चर्चा से राजा तालध्वज के मन में वैराग्य भाव उत्पन्न हो गया। इसके बाद भगवान विष्णु ने नारदजी से कहा- हे महामते! देखो, यह सारा खेल महामायाजनित है।

महिलाओं के जीवन पर बृहस्पति का प्रभाव

महिलाओं का जीवन उनके पति बच्चों और घर -गृहस्थी में सिमटा होता है। जन्म कुंडली में बृहस्पति खराब हो तो वह महिला को स्वार्थी, लोभी और क्रूर विचार धारा की बना देता है।

दाम्पत्य जीवन में दुखों का समावेश होता है और संतान की ओर से भी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पेट और आंतों के रोग हो जाते हैं। अगर जन्म-कुंडली में बृहस्पति शुभ प्रभाव दे तो महिला धार्मिक, न्याय प्रिय, ज्ञानवान, पति प्रिया और उत्तम संतान वाली होती है। ऐसी महिलाएं विद्वान होने के साथ - साथ बेहद विनम्र भी होती है। कुछ कुंडलियों में बृहस्पति शुभ होने पर भी उग्र रूप धारण कर लेता है तो स्त्री में विनम्रता की जगह अहंकार भर जाता है। वह अपने समक्ष सभी को तुच्छ समझती है क्योंकि बृहस्पति के शुभ होने पर उसमें ज्ञान की सीमा नहीं रहती। वह सिर्फ अपनी ही बात पर विश्वास करती है।अपने इसी व्यवहार के कारण वह घर और आस-पास के वातावरण से कटने लगती है और धीरे- धीरे अवसाद की और घिरने लग जाती है क्योंकि उसे खुद ही मालूम नहीं होता की उसके साथ ऐसा क्यों हो रहा है यही अहंकार उस में मोटापे का कारण भी बन जाता है। वैसे तो अन्य ग्रहों के अशुभ प्रभाव से भी मोटापा आता है मगर बृहस्पति के अशुभ प्रभाव से मोटापा अलग ही पहचान में आता है यह शरीर में थुल थूला पन अधिक लाता है क्योंकि की बृहस्पति शरीर में मेद कारक भी है तो मोटापा आना स्वाभाविक ही है।

कमजोर बृहस्पति हो तो पुखराज रत्न धारण किया जा सकता है मगर किसी ज्योतिष की राय ले कर। गुरुवार का व्रत करें, सोने का धारण करें,पीले रंग के वस्त्र पहनें और पीले भोजन का ही सेवन करें। एक चपाती पर एक चुटकी हल्दी लगाकर खाने से भी बृहस्पति अनुकूल होता है। उग्र बृहस्पति को शांत करने के लिए बृहस्पति वार का व्रत करना, पीले रंग और पीले रंग के भोजन से परहेज करना चाहिए बल्कि उसका दान करना चाहिए। केले के वृक्ष की पूजा करें और विष्णु भगवान् को केले का भोग लगाएं और छोटे बच्चों, मंदिरों में केले का दान और गाय को केला खिलाना चाहिए। अगर दाम्पत्य जीवन कष्टमय हो तो हर बृहस्पति वार को एक चपाती पर आटे की लोई में थोड़ी सी हल्दी, देसी घी और चने की दाल (सभी ए क

चुटकी मात्र ही) रख कर गाय को खिलाएं। कई बार पति-पत्नी अगल - अलग जगह नौकरी करते हैं और चाह कर भी एक जगह नहीं रह पाते तो पति -पत्नी दोनों को ही बृहस्पति को चपाती पर गुड की डली रख कर गाय को खिलानी चाहिए और सबसे बड़ी बात यह के झूठ से जितना परहेज किया जाय, बुजुर्गों और अपने गुरु,शिक्षकों के प्रति जितना सम्मान किया जायेगा उतना ही बृहस्पति अनुकूल होता जायेगा।

भक्तों में श्रेष्ठ कहलाते हैं ध्रुव

महाराज उत्तानपाद की बड़ी रानी के पुत्र ध्रुव ने पहले महीने में कैथ और बेर, दूसरे महीने में सूखे पत्ते, तीसरे महीने में जल और चौथे महीने में केवल वायु ग्रहण करके तपस्या की। पांचवें महीने में उन्होंने एक चरण से खड़े होकर श्वास लेना भी बंद कर दिया। मंत्र के अधिष्ठाता भगवान वासुदेव में ध्रुव का चित्त एकाग्र हो गया। संसार के एकमात्र आधार भगवान में एकाग्र होकर ध्रुव के श्वास अवरोध कर देने से देवताओं का श्वासावरोध स्वतः हो गया।

महाराज उत्तानपाद की दो रानियां थीं। उनकी बड़ी रानी का नाम सुनीति और छोटी का सुरुचि था। सुनीति से ध्रुव तथा सुरुचि से उत्तम नाम का पुत्र उत्पन्न हुआ। महाराज उत्तानपाद अपनी छोटी रानी सुरुचि से अधिक प्रेम करते थे। सुनीति प्रायः उपेक्षित थी। इसलिये वह सांसारिकता से विरक्त होकर अपना अधिक से अधिक समय भगवान के भजन पूजन में व्यतीत करती थी। एक दिन बड़ी रानी के पुत्र ध्रुव अपने पिता महाराज उत्तानपाद की गोद में बैठ गये। सुरुचि ने उन्हें खींचकर बलात वहां से उतार दिया और फटकारते हुए कहा- यह गोद और राजा का सिंहासन मेरे पुत्र उत्तम का है। तुम्हें यह पद प्राप्त करने के लिए भगवान की आराधना करके मेरे गर्भ से उत्पन्न होना पड़ेगा। ध्रुव सुरुचि के इस दुर्व्यवहार से अत्यन्त दुखी होकर रोते हुए अपनी मां सुनीति के पास आये। अपनी सौत के व्यवहार के विषय में जानकर सुनीति के मन में भी अत्यधिक पीड़ा हुई। उन्होंने ध्रुव को समझाते हुए कहा- पुत्र! तुम्हारी विमाता ने क्रोध के आवेश में ठीक ही कहा है। भगवान ही तुम्हें पिता का सिंहासन अथवा उससे भी श्रेष्ठ पद देने में समर्थ हैं। अतः तुम्हें उनकी ही आराधना करनी चाहिए। माता के वचनों पर विश्वास करके पांच वर्ष का बालक ध्रुव वन की ओर चल पड़ा। मार्ग में उसे देवर्षि नारद मिले। उन्होंने ध्रुव को अनेक प्रकार से समझाकर घर लौटाने का प्रयास किया, किंतु वे उसे लौटाने में असफल रहे। अंत में उन्होंने ध्रुव को द्वादशक्षर मंत्र ओम नमो भगवते वासुदेवाय की दीक्षा देकर यमुना तट पर अवस्थित मधुवन में जाकर तप करने का निर्देश दिया। ध्रुव देवर्षि को प्रणाम करके मधुवन पहुंचे। उन्होंने पहले महीने में कैथ और बेर, दूसरे महीने में सूखे पत्ते, तीसरे महीने में जल और चौथे महीने में केवल वायु ग्रहण करके तपस्या की। पांचवें महीने में उन्होंने एक चरण से खड़े होकर श्वास लेना भी बंद कर दिया। मंत्र के अधिष्ठाता भगवान वासुदेव में ध्रुव का चित्त एकाग्र हो गया। संसार के एकमात्र आधार भगवान में एकाग्र होकर ध्रुव के श्वास अवरोध कर देने से देवताओं का श्वासावरोध स्वतः हो गया। उनके प्राण संकट में पड़ गये। देवताओं ने भगवान के पास जाकर उनसे ध्रुव को तप से निवृत्त करने की प्रार्थना की। ध्रुव भगवान के ध्यान में लीन थे। अचानक उनके हृदय की ज्योति अंतर्हित हो गयी। ध्रुव ने घबराकर अपनी आंखें खोलीं। सामने शंख, चक्र, गदा, पद्मधारी भगवान स्वयं खड़े थे। ध्रुव अज्ञान बालक थे। उन्होंने हाथ जोड़कर स्तुति करनी चाही, किंतु वाणी ने साथ नहीं दिया। भगवान ने उनके कपोलों से अपने शंख का स्पर्श करा दिया। बालक ध्रुव के मानस में सरस्वती जाग्रत हो गयीं। उन्होंने हाथ जोड़कर भगवान की भावभीनी स्तुति की। भगवान ने प्रसन्न होकर उन्हें अविचल पद का वरदान दिया। घर लौटने पर महाराज उत्तानपाद ने ध्रुव का अभूतपूर्व स्वागत किया और उनका राज्याभिषेक करके तप के लिये वन गमन किया। ध्रुव नरेश हुए। संसार में प्रारब्ध शेष हो जाने पर ध्रुव को लेने के लिये स्वर्ग से विमान आया। ध्रुव मृत्यु के मस्तक पर पैर रखकर विमान में आरुढ़ होकर स्वर्ग पधारे। उन्हें अविचल धाम प्राप्त हुआ। उत्तर दिशा में स्थित ध्रुवतारा आज भी उनकी अपूर्व तपस्या का साक्षी है।

भविष्य का ज्ञाता है सामुद्रिक ज्योतिष

ज्योतिष सबसे पुराना विषय है क्योंकि मनुष्य जाति के इतिहास की जितनी खोजबीन हो सकी उसमें ऐसा कोई भी समय नहीं था जब ज्योतिष मौजूद न रहा हो। सामुद्रिक ज्योतिष विषय को हस्त रेखा विज्ञान के नाम से जाना जाता है। यह अपने आप में समृद्ध ज्योतिषशास्त्र है। जिसमें शरीर के अंगों, त्वचा के रंग, हथेली की रेखाओं, चिन्हों एवं नाखूनों के साथ ही हथेली के आकार का भी गूढ़ अध्ययन होता है। जीसस से 25 हजार वर्ष पूर्व सुमेर में मिले हुए हडडी के अवशेषों पर ज्योतिष के चिन्ह अंकित है। पश्चिम में,पुरानी से पुरानी जो खोजबीन हुई है। वह जीसस से 25 हजार वर्ष पूर्व इन हड्डियों की है। जिन पर ज्योतिष के चिन्ह और चंद्र की यात्रा के चिन्ह अंकित है। सामुद्रिक ज्योतिष का जन्म आज से करीब 5000 ई. पू. माना जाता है। सामुद्रिक ज्योतिष के रचियता कुमार कार्तिकेय है। जिन्होंने अपने पिता भगवान शिव जी की प्रेरणा से इसकी रचना की। रचना के समय ही सामुद्रिक ज्योतिष ज्ञान को गणेश जी ने उठाकर समुद्र में फेंक दिया। शिव जी के कहने पर समुद्र ने उसे वापस लौटा दिया इस तरह ज्योतिष की यह विधा सामुद्रिक ज्योतिष कहलायी। सामुद्रिक ज्योतिष महासागर की तरह गहरा है। इस सदर्भ में यह भी कहा जाता है कि ॠषि समुद्र ने इसे पुष्पित और पल्लवित किया जिसके कारण भी यह सामुद्रिक ज्योतिष के नाम से विख्यात है। वर्तमान में किरो ने हस्तरेखा विज्ञान का प्रचार प्रसार किया।

नवग्रह पूजन का विशेष महत्व ग्रंथ-पुराणों में वर्णित है। सभी प्रकार की पूजाओं में नवग्रह पूजन का विशेष महत्व है। ग्रहों की कुल संख्या 9 है और हथेली पर जितने भी ग्रह हैं उन सबके लिए अलग अलग स्थान निर्धारित किया गया है। ग्रहों के लिए निर्धारित स्थान को ही पर्वत कहा गया है। ये पर्वत हमारी हथेली पर चुम्बकीय केन्द्र हैं। जो अपने ग्रहों से उर्जा प्राप्त कर मस्तिष्क और शरीर के विभिन्न अंगों तक पहुंचाते हैं। भारतीय संस्कृति में नवग्रह-उपासना का उतना ही महत्व है, जितना कि भगवान विष्णु, शिव तथा अन्य देवोपासना का है। जन्म से लेकर उपनयन, विवाह आदि संस्कारों में नवग्रह पूजन का विशेष महत्व है।

कलेक्टर धर्मेश साहू ने सरिया क्षेत्र के बाढ़ संभावित गावों का जायजा लिया

बाढ़ के पूर्व कलेक्टर के नेतृत्व में जिला टीम का दौरा

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जिले के सरिया क्षेत्र के बाढ़ संभावित गांवो सांकरा और ठेंगागुड़ी का जायजा लेने कलेक्टर धर्मेश साहू, एसपी पुष्कर शर्मा, एसडीएम अनिकेत साहू, तहसीलदार शनि पैकरा आदि पहुंचे। कलेक्टर ने वहां सरकार की योजनाओ के कार्यो का अवलोकन किया और ग्रामीणों से पूछकर पीएम आवास, नल जल योजना, महतारी वंदन, पीएम किसान सम्मान निधि, पेंशन, राशनकार्ड, पीडीएस राशन का मैदानी क्षेत्रों में योजनाओ के पहुंच का जायजा लिया। जिला टीम ने बरमकेला से ओडिशा सीमा अंचल स्थित ग्राम पंचायत सांकरा का भ्रमण कर अवलोकन किया। इस बार जिला प्रशासन, बाढ़ के पूर्व तैयारी को लेकर कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रहा है। कलेक्टर ने बाढ़ तटबंधों का सघन जायजा लिया ।

सरिया तहसील अंतर्गत आने वाले बाढ़ ग्राम पंचायतों मे लोगों की बाढ़ के समय किसी भी प्रकार की कठिनाइयों से जूझना नहीं पड़े। इसको लेकर प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ काम कर रहा है। बाढ़ के समय बाढ़ पीड़ितों को रहने के लिए ऊंचे स्थल का भी चयन, लगने वाले शिविर में बाढ़ पीड़ितों को हर तरह की मूलभूत सुविधाएं बिजली, पानी, पहुंच पथ और सामुदायिक किचन के लिए आदिवासी बालक आश्रम सांकरा को चिन्हित किया गया है। विगत पाक्षिक में बाढ़ आपदा की बैठक और मॉकड्रिल किया जा चुका है। बैठक में पानी से कैसे बचाव जरूरी है। खाद्य पदार्थों का भंडारा, कहां लोगों को ठहराव करना है, किस तरह से लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिले। इन सभी मुद्दों पर समीक्षा बैठक लेकर सभी सुविधाओं के बारे में अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए हैं। वही शासन की योजनाओं का जनता को लाभ मिल रहा है कि नहीं इन संबंध में भी चर्चा किया गया। इस दौरा के जिला टीम में कलेक्टर, एसपी के अलावा हरिशंकर चौहान परियोजना निर्देशक, सीएमएचओ डॉक्टर अवधेश पाणिग्राही, एसडीएम अनिकेत साहू, तहसीलदार शनिराम पैकरा, डॉ. संजय पटेल बीएमओ, प्रज्ञा यादव सीईओ कमलेश कुमार मेहरा पीईओ, महिला बाल विभाग सहित गांव के सरपंच सचिव सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बनारी, जांजगीर में इको क्लब समर कैम्प के चौथे दिवस का आयोजन

जाँजगीर चांपा। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के निर्देशन में दिनांक- 18/06/2024 से 25/06/2024 तक समर कैम्प आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सी.बी.एस.ई बोर्ड के आदेशानुसार ''मिशन लाईफके लिये इको क्लब'' के तहत क्रियान्वित कराया जायेगा। यह कार्यक्रम 7 दिवस तक आयोजित कराया जायेगा । प्रतिदिन अलग-अलग विषयों पर विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं स्वास्थ्य सबंधी जानकारी प्रदान की जायेगी। जिसके तहत पहले दिन - ''स्वस्थ्य जीवनशैली अपनाएँ'', दूसरे दिन - ''स्थायी खाद्य प्रणाली अपनाएँ'', तीसरे दिन - ''ई-कचरा कम करें'', चौथे दिन - ''कचरा कम करें'', पांचवे दिन- ''ऊर्जा बचाएँ'', छठवे दिन - ''पानी बचाएँ'' तथा सातवे दिन- ''एकल उपयोग प्लास्टिक का निषेध'' इत्यादि विषयों पर विद्यार्थियों को जागरूक किया जायेगा। उपरोक्त विषयों में से आज दिनांक - 21/06/2024 को आनलाइन मोड पर विद्यार्थियों को संस्था के शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा ''कचरा कम करें'' विषय पर जानकारी प्रदान किया गया। इस विषय पर विद्यार्थियों के लिये थाली सजावट, पेपर डिस्पोजल, डोर हैंगर इत्यादि गतिविधि रखी गई। कचरा कम करें विषय पर आगे जानकारी प्रदान करते हुए बताया गया कि - जब भी घर से बाहर निकले कपड़े या जूट का बैग साथ लेकर जाएँ, पॉलीथिन का इस्तेमाल ना करें, घर का कचरा सूखे एवं गीले डस्टबीन में डाले तथा रिसाईकल कर कचरें को कम करने में मदद करें। ताकि हमारा पर्यावरण प्रदूषित ना हो और हमें स्वच्छ वायु ग्रहण करने का मौका मिले इत्यादि बातों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वच्छता की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतिदिन विषयवार यह कार्यक्रम आयोजित कराया जाएगा । आज के कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्था के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं, एडमिन स्टाफएवं ग्राउंड लेवल स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

कलेक्टर सीआरसी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल आज सीआरसी राजनांदगांव में 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कलेक्टर ने उपस्थित प्रतिभागियों को नियमित योग से होने वाले लाभ के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से मानसिक एवं शारीरिक लाभ मिलता है। योगाभ्यास से मांसपेशियों को ताकत मिलती है, रक्तचाप सामान्य रहता है और योग से तनाव दूर होते हैं। कलेक्टर ने सभी को नियमित योगाभ्यास करने प्रेरित किया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक द्वारा सभी को योगाभ्यास कराया गया। कलेक्टर ने 10 दिव्यांगजन को वॉकिंग स्टिक, श्रवण यंत्र, व्हील चेयर, गले एवं कमर के पट्टा का निःशुल्क सहायक उपकरण का वितरण किया। उन्होंने सीआरसी में दिव्यांगजनों के लिए प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने सुनाई जांच, स्पीच थेरेपी, फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक चिकित्सा, मनोविज्ञान, विशेष शिक्षा, प्रास्थेटिक ऑर्थोटिक्स, व्यावसायिक प्रशिक्षण, डिप्लोमा ईन स्पेशल एजुकेशन आईडीडी एवं निःशुल्क सहायक उपकरण की सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने सीआरसी के ठाकुरटोला में नवनिर्मित भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सीआरसी के नवनिर्मित भवन तक सड़क, दिव्यांगजन बस स्टॉप, बस की सुविधा एवं गार्डन में जिम सेट के लिए आश्वासन दिया। कलेक्टर ने सीआरसी द्वारा दिव्यांगजनों के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थय अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन, निदेशक सीआरसी श्रीमती स्मिता महोबिया, सीआरसी स्टाफ , विद्यार्थी, दिव्यांगजन लाभार्थी, अन्य स्कूल एनजीओ के सदस्य उपस्थित थे।

निधन : श्रीमती बसंतमाला हुमन

भिलाई। कोहका नगर भिलाई निवासी श्रीमती बसंतमाला हुमने उम्र 65 वर्ष का निधन शुक्रवार को हो गया है, उनका अंतिम संस्कार शनिवार 22 जून को दोपहर 1:00 बजे रामनगर मुक्तिधाम में किया जाएगा वे भिलाई इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत सी आर हूंमने की धर्मपत्नी थी एवं उनकी दो पुत्र एवं दो पुत्री थी।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा संग विधायक गजेंद्र ने किया सामूहिक योगाभ्यास

दशम अंतरर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अतिथियों ने कहा स्वयं और समाज के लिए योग आवश्यक

रविशंकर स्टेडियम में पौधारोपण के साथ ग्रीन दुर्ग अभियान का शुभारम्भ

दुर्ग (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविशंकर स्टेडियम में आयोजित दशम योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं विधायक गजेन्द्र यादव शामिल हुए। पतंजलि योगपीठ के जयंत भारती एवं पंकज शर्मा के मार्गदर्शन में सामूहिक योगाभ्यास किया गया। इस दौरान संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, आईजी आर.जी. गर्ग, कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, एसपी जितेन्द्र शुक्ला, नगर के नागरिक, सभी शासकीय विभाग के अधिकारी- कर्मचारी तथा विभिन्न स्कूल के विद्यार्थीयों ने योग के विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 21 जून वह दिवस है, इस दिन भारतीय संस्कृति की पहल को पूरे दुनिया ने अंगीकार किया। सामूहिक योग की यह परंपरा हर वर्ष आगे बढ़ते रहे।

शहर विधायक श्री यादव ने कहा कि जीवन में योग का बहुत महत्व है। योग ऐसा सशक्त माध्यम है जिससे शारीरिक, बौद्धिक विकास संभव है। सामूहिक योगाभ्यास की प्रशंसा करते हुए घर, परिवार, मोहल्ले में प्रतिदिन योगाभ्यास करने की अपील किये जिससे हमारा तन और मन स्वस्थ रहे। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ को 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने का सुझाव दिया था, जिसके परिणामस्वरूप ही पूरे विश्व में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है।

वृक्षारोपण कर ग्रीन दुर्ग का शुभारम्भ -

योगाभ्यास के बाद उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं विधायक गजेंद्र यादव ने रविशंकर स्टेडियम परिसर में वृक्षारोपण कर ग्रीन दुर्ग अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किये। उन्होंने परिसर में मौलश्री और बादाम का पौधरोपण किया। इसी कड़ी में उन्होंने डोर-टू-डोर निःशुल्क पौधरोपण वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

छ.ग.जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन पिथौरा इकाई की मासिक बैठक संपन्न

यूनियन के द्वारा आगामी वर्षा ऋतु पर शासकीय जगह पर वृक्षारोपण करने का विचार

शंकर लहरे/ पिथौरा (समय दर्शन)। छ.ग.जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन पिथौरा इकाई की मासिक बैठक का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष अमित गौतम एवं जिला अध्यक्ष बलराज नायडू के मार्गदर्शन में स्थानीय पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में किया गया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष बलराज नायडू ने सभी पत्रकारों से संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से विचार-विमर्श किया साथ ही बैठक में सर्व समिति से आगामी जुलाई माह में धरती को बचाने के लिए वर्षा ऋतु पर शासकीय कार्यालय स्कूल कॉलेज वह अन्य जगहों पर यूनियन के द्वारा पौध रोपण करने का विचार किया गया ।

बैठक के दौरान गौरव चंद्राकर ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा किसी भी पत्रकार को रिपोर्टिंग में कोई परेशानी होती है,तो संस्था हमेशा पत्रकार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़े रहने की बात कही। कार्यक्रम के अंत पर संगठन के कार्यकारिणी सदस्य एवं पदाधिकारियों को यूनियन का नवीनीकरण आई कार्ड वितरित किए गए,इस बैठक में मुख्य रूप से बलराज नायडू जिला अध्यक्ष,आनंद अग्रवाल जिला उपाध्यक्ष,गौरव चंद्राकर ब्लॉक अध्यक्ष,जिला कार्यकारिणी संतराम कुर्रे,संतोष गुप्ता,रमेश श्रीवास्तव,गोविंद शर्मा,ब्लॉक पदाधिकारी लोकनाथ खुटे,चंद्रशेखर प्रभाकर,राजेश साव,कमलेश डडसेना, राजा बाबू उपाध्याय,राजकुमार अग्रवाल,बद्री प्रसाद दुबे,खगेश्वर साहू, युवराज चौहान,नरेश कोसरिया मुख्य रूप से उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक लेने बीजेपी कार्यालय से पैदल क्लेक्ट्रोरेट पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

मार्ग में अपने युवा मोर्चा संघर्ष काल में किए प्रदर्शन को करते रहे याद

दुर्ग (समय दर्शनन)। जिला प्रभारी मंत्री के रूप में सरकार के कार्यों की समीक्षा करने दुर्ग पहुंचे प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा आज भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओ से भेंट मुलाकात के पश्चात अधिकारियों की बैठक लेने पैदल जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे इस दौरान पूरे मार्ग में अपने युवा मोर्चा कार्यकाल में किए प्रदर्शन को भी याद करते रहे जब वे प्रदेश भाजयुमो के अध्यक्ष रहे तब तात्कालीन भूपेश सरकार के खिलाफ विद्युत मंडल व क्लेक्ट्रेट परिसर में जमीन पर बैठकर जबर्दस्त प्रदर्शन किए थे। इस अवसर पर जिला प्रभारी विजय शर्मा के साथ जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा,भिलाई जिला जितेंद्र वर्मा के अलावा उनके भाजयुमो कार्यकाल के साथी पूर्व जिला भाजयुमो अध्यक्ष दिनेश देवांगन सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्ञात हो कि करीब 3 वर्ष पूर्व जब प्रदेश में भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार थी तब बिजली बिल हाफ के वादे के विपरीत मनमाने विद्युत दरों में वृद्धि के विरोध में जिला भाजयुमो द्वारा कांग्रेस सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन आयोजित था जिसमे तत्कालीन जिला भाजयुमो अध्यक्ष दिनेश देवांगन के नेतृत्व में जिले भर की कार्यकर्ता शामिल हुए थे। जिसमें आंदोलन कि अगुवाई करने विजय शर्मा जी स्वयं पहुंचे थे और बड़ी संख्या में युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए विद्युत मंडल व कलेक्ट्रेट के सामने धरने पर बैठकर अधिकारियों को जमीन पर बैठकर बाते सुनने विवश कर दिया था जिसकी उस समय व्यापक चर्चा हुई थी किंतु आज 3 वर्ष बाद जिला प्रभारी मंत्री के रूप में उसी मार्ग पर कार्यकर्ताओ के साथ फिर पैदल चलते हुए अपने संघर्षकाल को याद करने कार्यकर्ता ही नही आम जनता में स्कारात्मक प्रतिक्रिया रही और सभी ने उनके इस कार्य शैली की प्रसंशा किया।

पाटन में योग का धूम, मंगलाचरण के साथ शुरू और स्वच्छता की संकल्प के साथ हुआ योगाभ्यास का समापन

योग शिक्षको का किया सम्मान, एसडीएम पाटन भी हुए शामिल

पाटन (समय दर्शन)। दशम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का विकास खंड स्तरीय स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल पाटन में संपन्न हुआ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन दीपक निकुंज एस.डी.एम.पाटन के मार्गदर्शन सह प्रारंभिक उद्बोधन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर सामान्य योगाभ्यास में सबसे पहले मंगलाचरण उसके बाद खड़े होकर किए जाने वाले योगाभ्यास में ग्रीवा चालन, स्कंध संचालन,कटि चालन,घुटना संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन,का अभ्यास सह आसनों के लाभ एवं निषेध पर चर्चा किया गया।

इसी तरह बैठकर किए जाने वाले आसन भद्रासन,वज्रासन/वीरासन, साथ अर्ध उष्ट्रासन, उष्ट्रासन, शशकासन, दंडासन, चक्रासन का अभ्यास एवं सावधानियों पर चर्चा हुई।

पश्चात पीठ एवं पेट के बल लेटकर किए जाने वाले आसनों में मकरासन, भुजंगासन, शलभासन,धनुरासन उत्तानपादासन,अर्धहलासन, पवनसुत आसन,शवासन का सामान्य अभ्यास कराते हुए लाभ एवं सावधानियों पर जानकारी दी गई।

प्राणायाम में कपालभाति,नाड़ीसोधन,सीतली, भ्रामरी, प्राणायाम के साथ ध्यान एवं संकल्प कराया गया।इस आयोजन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नियमित योग करने के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पाटन श्री मुकेश कुमार कोठारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी नगर पंचायत पाटन श्री सौरभ वाजपेई ने आग्रह किया। साथ ही खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष शर्मा ने भी स्वास्थ के लिए उत्तम साधन योग को बताया।इस आयोजन उपाध्यक्ष नगर पंचायत पाटन श्री बलदाऊ भाले जी, पार्षद लीलेश वर्मा जी,मोहन देवांगन जी, विधायक प्रतिनिधि विनय पटेल , अखिलेश मिश्रा,शैलेष मिश्रा,आशीष शर्मा ,थानेश्वर वर्मा, प्रवीण कुम्भकार के साथ नगर पंचायत पाटन स्तरीय समस्त विभाग अधिकारी कर्मचारी विद्यालय के संस्था प्रमुख शिक्षक छात्रों के साथ आंगन बाड़ी कार्यकर्ता सहायिका, सफाई मित्र आदि उपस्थित रहे।

आयोजन में योग प्रशिक्षक मोहित कुमार शर्मा शिक्षक परसदा एवं अनेश कुमार देशमुख जो प्रथम विश्व योग दिवस से लेकर अब तक विकास खंड स्तरीय आयोजन में योगाभ्यास कराते आ रहें हैं। इनके अलावा योग के प्रशिक्षित सुश्री लालिमा चन्द्राकार प्रधानपाठक कुरुदडीह,लोमन साहू शिक्षक बटंग एवं अशोक कुमार ओझा सहायक ठुह्वशिक्षक तेलीगुण्डरा का योगदान रहा।

आयोजन का संपूर्ण संचालन मोहित कुमार शर्मा शिक्षक परसदा एवं आभार प्रकट किए विकास खंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार महिलांगे सह जयंत शर्मा उप अभियंता जी ने किया।इस अवसर योग प्रशिक्षकों का सम्मान उपस्थित वरिष्ठों द्वारा किया गया एवं अंत में नगर पंचायत पाटन में कार्यरत सफाई मित्र दीदीयों का सम्मान करते हुए स्वच्छता के लिए सपथ दिलाएं।

करे योग रहे निरोगः ग्राम कसही में योग दिवस का आयोजन, सरपंच सहित ग्रामीण हुए शामिल

पाटन। ग्राम कसही में योग दिवस का आयोजन किया । प्राथमिक शाला प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में। सरपंच राकेश आडिल सहित पंचगण, ग्रामीण जन, आंगन बाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और बच्चे शामिल हुए ।

तर्रा में योग दिवसः स्कूल प्रांगण में जुटे शिक्षक, बच्चे सहित जनप्रतिनिधि, योग का अलग अलग आसान किया

पाटन। ग्राम तर्रा में योग दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान। योग ट्रेनर द्वारा योग के अलग अलग आसान संपन्न कराए गए। इसके अलावा योग से होने वाले लाभ की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर ग्राम तर्रा के सरपंच डॉ योगेश चन्द्राकर, उपसरपंच नवीन चन्द्राकर, साथ ही सभी संस्थाओं के शिक्षक शिक्षिका स्कूली बच्चे साथ ही योगा ट्रेनर के रूप में चांदनी साहू उपस्थित थे।।

रवेली में योग दिवसः स्कूल में बच्चो को बताए योग के फायदे, योग आसान से तन और मन दोनों को लाभ

पाटन। योग दिवस के अवसर पर ग्राम रवेली में योग दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों तथा स्कूली बच्चों को योग दिवस का महत्व तथा योग से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई। योग का अलग अलग आसान कराए गए। इस दौरान सरपंच श्रीमती पुष्पा वर्मा, संजय वर्मा,प्रधानपाठक चिंताराम भारद्वाज , व होमीन साहु सहित अन्य मौजूद रही।

पाटन नगर भाजपा के पदाधिकारी ने किया मंडी प्रांगण में योगाभ्यास

पाटन। योग दिवस के अवसर पर भरतीय जनता पार्टी द्वारा आज योग का आयोजन मंडी प्रांगण में किया गया था। जिनमे राष्ट्रीय स्वयम सेवक तथा भारती जनता पार्टी पाटन नगर के पदाअधिकारी संयुक्त रूप से मौजूद थे। जिसमें योग प्रशिक्षक के रूप में छागेंद्र चक्रधारी। भाजपा नगर अध्यक्ष होरीलाल देवांगन, नगर महामंत्री अनिकेत मिश्रा, महिला मोर्चा अध्यक्ष निशा सोनी, उपध्यक्ष राधे यादव उपध्यक्ष सरजू मरकाम, मंत्री रेणुका बिजोरा, सीता देवांगन, हेमा पटेल नरसिंग पटेलजेड छबि श्यामा देवांगन, बूथ अध्यक्ष डगेश्वर वर्मा, युवामोर्चा उपध्यक्ष वेद प्रकाश वर्मा , संजय शर्मा ,दीपक सावर्णीय सहित अन्य मौजूद रहे।

सांसद रूपकुमारी चौधरी की उपस्थिति में किया गया सामूहिक योगाभ्यास

अधिकारी-कर्मचारियों सहित नागरिकों ने किया योगाभ्यास

स्वयं और समाज के लिए योग थीम पर मनाया गया दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

गरियाबंद (समय दर्शन)। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद रूप कुमारी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में आज गरियाबंद जिले में दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग पूरे उत्साह के साथ मनाया गया।स्वयं और समाज के लिए योग थीम पर विश्व पटल पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिला मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया।इस अवसर पर सांसद रूपकुमारी चौधरी सहित कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित कांबले,क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारियों, मीडियाकर्मी, स्कूली बच्चे और आम नागरिकों ने सवेरे 7 बजे से 8 बजे तक योग किया।सामूहिक योग में योग की विशिष्ट क्रियाओं का अभ्यास कराया गया,जिसमें अतिथिगण,प्रशासनिक अधिकारी,कर्मचारी,गणमान्य नागरिक तथा स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सांसद रूपकुमारी चौधरी ने लोगों से आग्रह किया कि वे योग को

अपनी दिनचर्या में शामिल करें और तन और मन को स्वस्थ एवं निरोग रखें। उन्होंने कहा कि निरोग रहने के लिए योग सबसे सस्ता उपाय है।योग करके हम स्वस्थ रह सकते है।उन्होंने कहा कि भारत में योग आदिकाल से प्रारंभ है और यह ऋषि-मुनियों द्वारा दिया गया अनुपम उपहार है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्थक प्रयासों से आज 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं।इसलिए इसे दुनियाभर में बढ़ावा देने के लिए हर साल योग दिवस मनाया जाता है।

इस दौरान नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन ने कहा कि योग के माध्यम से व्यक्ति निरोगी रहकर जीवन व्यतीत कर सकता है।यदि हम स्वस्थ नहीं है तो हम समाज का सेवा नहीं कर सकते। योग करें स्वस्थ रहें तथा देश व समाज की सेवा करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहल पर 21 जून 2015 को पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए योग बेहद फायदेमंद है।योग कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक श्री गणेश व सहयोगी योग शिक्षकों द्वारा योग कार्यक्रम में विभिन्न आसन सहित प्राणायाम के तहत् कपालभाति, अनुलोम विलोम सहित अन्य आसन कराए गए और इससे जीवन में होने वाले फायदों के बारे में भी बताया गया। जो लोग योग करते है,वें मानसिक व शारीरिक दोनों रूप से स्वस्थ रहते है। योग से मन को शांति मिलती है। वर्तमान समय में जिस स्तर से रोग बढ़ रहे है,उसमें योग और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। योग पश्चात अतिथियों द्वारा इन्डोर स्टेडियम परिसर में पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत की अध्यक्ष लालिमा ठाकुर, अपर कलेक्टर अरविन्द पाण्डेय,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चन्द्राकर,संयुक्त कलेक्टर पंकज डाहिरे,राकेश गोलछा,उप संचालक समाज कल्याण डीपी.ठाकुर,सहित अधिकारी-कर्मचारी,गणमान्य नागरिक एवं स्कूली बच्चे शामिल हुए।

खबर-खास

वन परिक्षेत्र रेंगाखार में अवैध रेत परिवहन करते दो ट्रेक्टर राजसात होगी

कवर्धा (समय दर्शन)। वन विभाग ने अवैध रेत परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए दो ट्रेक्टर में भरे रेत जब्त करने में सफलता पाई है। वहीं 17 लाख रुपए मूल्य के दो वाहनों को राजसात करने की कार्रवाई की जा रही है।

वनमंडलाधिकारी वनमंडल कवर्धा शशि कुमार के अनुसार 14 जून की शाम वन परिक्षेत्र में रेंगाखार कक्ष.क्र. 138 आर.एफ परिसर रेंगाखार स्थानीय नाम गोपीखार बांध के उपर मुकेश यादव (वाहन चालक) 23 वर्ष वल्द मनसुख यादव जाति रावत साकिन खारा, पो. उसरवाही थाना- तहसील रेंगाखार, जिला कबीरधाम द्वारा अवैध रूप से रेत परिवहन करते पकड़ा गया। आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए एक नग वाहन पॉवर ट्रेक्टर सीजी 09 जेएल 9908 ट्राली क्र. सीजी 09 सी 6069 सहित जप्त किया गया। इसके बाद पुनः 18 जून की दोपहर रेंगाखार परिक्षेत्र के कक्ष.क्र. 138 आर.एफ परिसर रेंगाखार अंतर्गत स्थानीय नाम धोडामर्रा में सुरेन्द्र लांझेकर (वाहन चालक) 29 वर्ष वल्द चेतनराम लांझेकर जाति अहिरवार साकिन खारा, पो. उसरवाही थाना- तहसील रेंगाखार, जिला कबीरधाम द्वारा अवैध रूप से रेत परिवहन करते पकड़ा गया। आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए एक नग वाहन आईसर ट्रेक्टर शोल्ड 333, सुपर प्लस चेचिस क्र. 933914145547 इंजन एस 324 एफ90329 ट्राली सहित जप्त किया गया।

परिक्षेत्र सहायक रेंगाखार एवं उनकी टीम द्वारा भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 (1) छ एवं 41 (ख) के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए क्रमशः वन अपराध प्रकरण क्रमांक 18034/08 दिनांक 14.06.2024 एवं 18034/09 दिनांक 18.06.2024 पंजीबद्ध किया गया। जप्त शुदा सामाग्री दोनों वाहनों में रेत 3.24 घ.मी. अनुमानित मूल्य 2446.00 रू. एवं वाहन का अनुमानित मूल्य क्रमशः 7.00 लाख एवं 10.00 लाख रू. है। वाहन राजसात की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा संचालित 5 निशुल्क एम्बुलेंस सेवा का किया शुभारम्भ

'डॉ. रमन ने की सराहना, कहा सच्ची जनसेवा पंडरिया विधानसभा में 8 निशुल्क एम्बुलेंस, 1 मोबाइल हेल्थ पैथ लैब सहित छात्राओं के लिए 3 निशुल्क बसों का अनवरत संचालन कर रही विधायक भावना बोहरा'

कवर्धा (समय दर्शन)। एम्बुलेंस वाली दीदी के नाम से जनता के बीच अपनी पहचान बना चुकी समाज सेविका और जनप्रतिनिधि एवं पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा को पांच एंबुलेंस की बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को राजधानी रायपुर में विधायक भावना बोहरा द्वारा संचालित 5 निशुल्क एम्बुलेंस सेवा का शुभारम्भ किया और जनसेवा के प्रति उनके कार्यों की प्रशंसा कर उन्हें और पंडरिया क्षेत्र की जनता को बधाई दी। पिछले 10 वर्षों से समाज सेविका के रूप में भावना बोहरा ने स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंद लोगों की सहयता के लिए लगातार जनहित के कार्य कर रही हैं। इन 5 एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत के साथ ही उनके द्वारा अबतक कुल 8 निशुल्क एम्बुलेंस सेवा, 1 निशुल्क मोबाइल हेल्थ पैथ लैब और महाविद्यालयीन छात्राओं को कॉलेज से घर आने-जाने हेतु 3 निशुल्क बसों का सञ्चालन किया जा रहा है. जिससे क्षेत्र के हजारों परिवारों को इसका लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने 5 एम्बुलेंस का शुभारम्भ करते हुए विधायक भावना बोहरा को बधाई देते हुए कहा कि जनसेवा के साथ-साथ जनसुविधा के लिए यह प्रयास सराहनीय है। एक जनप्रतिनिधि के रूप में जनता की सेवा करने का जो उद्देश और मार्ग उन्होंने चुना है वह भारतीय जनता पार्टी की नीति और संस्कार को प्रदर्शित करता है। आपातकालीन सेवा हेतु उन्होंने जनता की सुविधा के लिए जो संकल्प किया है उसे पूरा करने के लिए मैं उन्हें बधाई देता हूँ। छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश की जनता की सेवा, सुविधा और प्रदेश में सुशासन के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। हमारे किसानों को सम्मान, युवाओं को प्रोत्साहन, महिलाओं का सशक्तिकरण और वरिष्ठजनों की आकाँक्षाओं की पूर्ति हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ की डबल इंजन सरकार प्रतिबद्धता से अपने दायित्वों और वादों को पूरा कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह ने इस अवसर पर भावना बोहरा के जनहित के प्रयासों एवं जनसेवा के कार्यों की सराहना कर कहा कि यह सच्ची जनसेवा है। उन्होंने कहा कि अपने नाम के अनुरूप जन भावना के साथ भावना बोहरा द्वारा किये जा रहे कार्यों के लिए मैं उन्हें बधाई देता हूँ। एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपने दायित्वों के साथ ही पार्टी की एक कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में भी वो अपने दायित्वों को बखूबी निभा रहीं हैं।

विधायक भावना बोहरा ने कहा कि यह क्षण मेरे लिए बहुत ही भावुक और गौरवान्वित करने वाला है कि जो संकल्प हमने किया था आज वह प्रत्यक्ष रूप से साकार हुआ। इस निशुल्क एम्बुलेंस के माध्यम से आप सभी पंडरिया विधानसभा के मेरे परिवारजनों को आपातकाल में त्वरित समाधान मिल सके और किसी भी विषम परिस्थिति में वे तत्काल अस्पताल पहुँच सके इसके साथी गर्भवती माताओं-बहनों को गर्भावस्था के दौरान बेहतर सुविधा मिल सके यही हमारा उद्देश्य है। मैनें हमेशा ही कहा है कि राजनीति मेरे लिए जनसेवा का एक माध्यम है। लगभग 10 वर्षों से अधिक समय से मैनें जनता के बीच रहकर उनकी जो तकलीफों को देखा, समस्याओं को जाना एवं उनकी आकाँक्षाओं को जाना है। उनके इन समस्याओं के निराकरण और आकाँक्षाओं को पूरा करने के लिए हमेशा ही मन में भाव आता रहा है और उनके ही आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन से मुझे इन सभी कार्यों के लिए प्रेरणा और क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए अपने कर्तव्यों के निर्वहन हेतु उर्जा मिलती है।

उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान हमने भावना दीदी की गारंटी में पंडरिया विधानसभा की जनता के बेहतर स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु संकल्प किया था कि इस निशुल्क एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत हम पूरे विधानसभा में शुरू करेंगे। उन्होने कहा कि विगत वर्ष हमने वनांचल व आदिवासी क्षेत्र कुई-कुकदुर में भी इस सेवा की शुरुआत की थी जिससे वहां निवासरत आदिवासी भाई-बहनों को आपातकाल में त्वरित सेवा का लाभ मिल रहा है। सैकड़ों माताओं-बहनों को प्रसव के दौरान भी इसके माध्यम से घर से अस्पताल व अस्पताल से घर आने-जाने की सुगम सुविधा मिली है। जब आप कोई संकल्प करते हैं और वह पूरा होता है एवं उससे समाज व आमजनों को लाभ मिलता है उसकी ख़ुशी का अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल होता है। आज मेरे लिए भी यह वही क्षण है, मन बहुत ही खुश होने के साथ भावुक भी है।

शुभारंभ के अवसर पर रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम, केदार कश्यप एवं रायपुर उत्तर विधायक पुरेन्द्र मिश्रा जी का मार्गदर्शन मिला और उन्होंने भावना बोहरा द्वारा जनहित के लिए किए गए इस प्रयास के लिए उनकी सराहना कर बधाई दी।

विदित हो कि लगभग 10 वर्ष पूर्व उनके द्वारा रणवीरपुर एवं आस-पास के क्षेत्रवासियों के लिए दो निशुल्क एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत की थी आज उसके माध्यम से लगभग 27,000 लोगों का इसका लाभ मिल चुका है। इसके साथ ही क्षेत्रवासियों को उनके गाँव तक पहुंचकर स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश से संचालित निशुल्क मोबाइल हेल्थ पैथ लैब के माध्यम से लगभग 15,000 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परिक्षण कराया है जिससे उन्हें आर्थिक संबल मिला है। बेटियों की शिक्षा में कोई बाधा न आए और वो उच्च शिक्षा ग्रहण कर सके इसके बीच में यातयात की समस्या को दूर करते हुए उनके द्वारा विगत तीन वर्षों से महाविद्यालयीन छात्राओं के लिए 3 निशुल्क बस सेवा का सञ्चालन किया जा रहा है जिससे लगभग 400 से अधिक छात्राओं को लाभ मिला है और वे अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव गढ़ रहीं हैं।

आयुष योगा वेलनेस सेंटर द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

गरियाबंद। 21जून 2024 के उपलक्ष्य में संचनालय आयुष विभाग और आर्युवेद अधिकारी गरियाबंद के निर्देशानुसार आयुष योगा वेलनेस सेंटर गरियाबंद द्वारा पांच दिवसीय निः शुल्क योग शिविर कराया गया जो 17 जून से 21 जून प्रातः 6 से 8 बजे तक प्रथमिक शाला प्रांगण में किया गया।डॉक्टर शिखा कुरेटी योग चिकित्सक द्वारा शिविर में योगा प्रोटोकॉल से योगा कराया जा रहा था साथ ही लोगो को सिकल सेल एनीमिया जनकारी एवम् लोगो की स्वाथ्य समस्या रोग का उपचार योग और आहार द्वारा कैसे करे इसकी जानकारी दी गई।श्रीमति जानकी ध्रुव सरपंच,सचिव, ग्राम पटेल और शिक्षिकाओं व अन्य लोगो ने भी प्रति दिन योगाभ्यास मे सामिल हो कर योगा के प्रति सहयोग दिया।योग चिकित्सक द्वारा 18 जून को महिला सम्बन्धी रोग की प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा उपचार की जानकारी दी गई।

लोक आस्था सेवा संस्थान के द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोक आस्था सेवा संस्थान के द्वारा दसरा के सहयोग से यूथ विकास क्षमता पर एक दिवसीय प्रशिक्षण गरियाबंद में आयोजित किया गया,जिसमे गरियाबंद और छुरा ब्लॉक से 70 किशोरियां और युवा शामिल रहे।इस प्रशिक्षण की शुरुवात सभी यूथ वर्ग के परिचय से करते हुए संस्था अध्यक्ष हेम नारायण मानिकपुरी द्वारा बताया कि समाज क्या है,जिसमें बताया गया कि सभी मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।समाज से आशय है मानव समाज मानव समाज के अंतर्गत दो वर्ग है महिला और पुरुष है फिर काम के आधार पर जातियों का वर्गीकरण किया गया है,जिससे जाति समाज का निर्माण हुआ । प्रकृति ने हमें लड़की और लड़का बनाया है और कोई भेदभाव नहीं किया है लेकिन पित्रसत्तातमक समाज ने महिला और पुरुष में बाट कर कई प्रकार से नियम बना दिए जिससे समाज में समानता नहीं है और स्वस्थ समाज के प्रगति के लिए दोनों वर्गो का सामान होना जरूरी है फिर दो ग्रुप में विभाजित कर लड़के व लड़कियों के काम को लिखने को कहा गया जिसमे ज्यादा काम लड़िकयां करती है करके निकल आया और लड़को के मुकाबले लड़कियों को स्वतंत्रता कम है जैसे कही आने जाने पर लड़कियों को ज्यादा मना किया जाता है।जबकि लड़को को ज्यादा छूट मिलती है इसके बाद संस्था सचिव लता नेताम ने लड़कियो के स्वास्थ्य को लेकर जानकारी दिया गया जिसमे हमारे शरीर के लिए पौष्टिक आहार जरुरी है जैसे की पौष्टिक आहार में प्रोटीन, कार्बोहाड्रेट, और वसा जरूरी है ये सब अंडा मांस,हरी सब्जी और दाल से आते है कई जनजाति वर्ग में अंडा खाना भी प्रतिबंध है।

!! न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन जिला दुर्ग !!

// ईश्तहार //

रा.प्र.क. / 202406100600067
अ-2/ वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलदाऊ प्रसाद यादव पिता श्री नोहर लाल यादव निवासी छाटा, तहसील पाटन जिला- दुर्ग के द्वारा ग्राम छाटा प.ह.नं. 21 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 339/8 रकबा 0.0041 हे. भूमि व्यवसायिक प्रयोजन हेतु डायवर्सन किए जाने हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 की सहपठित धारा 59 के तहत पुनर्निर्धारण किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त भूमि के संबंध में आपत्ति हो तो वे अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 28.06.2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 18.06.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

(मुहर) **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)**

!! न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन जिला दुर्ग !!

// ईश्तहार //

रा.प्र.क. / 202406100600068
अ-2/ वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती प्रभा जायसवाल पति श्री कवि शंकर जायसवाल निवासी पाटन रोड, सेलूद चौक, तहसील पाटन जिला- दुर्ग के द्वारा ग्राम चुनकट्टा प.ह.नं. 23 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 302/35 रकबा 0.0600 हे. भूमि ....प्रयोजन हेतु डायवर्सन किए जाने हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 की सहपठित धारा 59 के तहत पुनर्निर्धारण किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को उक्त भूमि के संबंध में आपत्ति हो तो वे अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 28.06.2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 18.06.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

(मुहर) **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)**

समय दर्शन

महासमुंद जिले के बागबहरा, झलप, पटेवा, तुमगांव, बया एवं कोमाखान में दैनिक समय दर्शन की एजेंसी देना है, इच्छुक व्यक्ति रक्षाधन सहित सम्पर्क करें।

प्रसार व्यवस्थापक
मो.-9827104452, 9993225894

समय दर्शन

महासमुंद जिले के महासमुंद एवं सरायपाली में अखबार प्रतियां समाचार एवं विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें।

शंकर लहरे
ब्यूरो
महासमुंद क्षेत्र
मो.- 7694085811

समय दर्शन

बसना विधानसभा क्षेत्र के बसना, पिथौरा एवं सांकरा में अखबार प्रतियां समाचार एवं विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें।

अभय धृतलहरे
संवाददाता
बसना विधानसभा क्षेत्र
मो.- 8982111256

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!

// ईश्तहार //

रा.प्र.क. / अ-6/ वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ओमलता देशमुख आ. स्व. रामजी देशमुख निवासी कोहका भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 91/2, 4568/1, 4585 का दु. रकबा 0.070, 0.015, 0.055 हे. भूमि धरम सिंह आ. स्व. रामजी के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। खातेदार की मृत्यु होने से मृतक का नाम विलोपित कर अन्य खातेदारो का नाम यथावत रखे जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अत उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 27.06.2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 04.06.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

(मुहर) **अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर**

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग
मामले की श्रेणी :- राजस्व
संदर्भः- जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.- 00019 दुर्ग ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- आरडी 202324430103900174

// ईश्तहार //

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00019 के अंतर्गत ग्राम दुर्ग के वर्तमान भूमिस्वामी आनंद राम पिता सूकलाल यादव पता-गयानगर, दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 887/80(0.0050) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता मन्नू यादव, कमलेश यादव पिता/पति-स्व. आनंद राम पता-गयानगर दुर्ग, सुभद्रा यादव पिता/पति-स्व.आनंद राम पता-गयानगर दुर्ग, शकुन यादव पिता/पति-स्व. आनंद राम पता-गयानगर दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/06/2024 को जारी किया जाता है।

(मुहर) **तहसीलदार जिला-दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन के न्यायालय मे
मामला क्रमांकः 202406101500029
विषयः- अ-6 अ सनः- 2023-2024
मामले की श्रेणी :- राजस्व

भाठागांव (प ह न. 00008),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - दौलत राम देवांगन,
अनावेदक पक्षकार -

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व आम जनता एंव ग्राम भाठागांव प.ह.नं. 08 को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक दौलत राम देवांगन पिता पतिराम निवासी ग्राम भाठागांव तह. पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि ख.नं. 697, 698 रकबा 0.39 हे., 0.44 हे. कुल खसरा नं. 02 कुल रकबा 0.83 हे. भूमि आवेदक के भाई व माता शामिलात खातेदार लक्ष्मीनारायण एवं जानकी के नाम में दर्ज है । उक्त भूमि में आवेदक दौलत राम पिता पतिराम उक्त खसरा नं. 697, 698 रकबा 0.39 हे., 0.44 हे. कुल खसरा नं. 02 कुल रकबा 0.83 हे. में आवेदक का नाम अभिलेख रिकार्ड में दर्ज नही है । अस्तु पूर्व में राजस्व अभिलेख में उक्त भूमि पर आवेदक का नमा दर्ज था। आवेदक द्वारा वर्तमान अभिलेख में अपना नाम दर्ज करने हेतु आवेदन के आधार पर प्रकरण दर्ज हो। प्रकरण न्यायालय मे विचाराधीन है ।

अतः उपरोक्तानुसार राजस्व अभिलेख दुरुस्ती की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण मे सुनवाई तिथि 01.07.2024 तक इस न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/06/2024 को जारी किया जाता है ।

(मुहर) **नायब तहसीलदार पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग
मामले की श्रेणी :- राजस्व
संदर्भः- जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.- 00019 दुर्ग ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-. आरडी 202324430103900176

// ईश्तहार //

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00019 के अंतर्गत ग्राम दुर्ग के वर्तमान भूमिस्वामी महानंद पटेल पिता/पति-चौतराम पटेल पता-गोड़पारा, दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 740/3 (0.0130) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता श्रीमती फुलेश्वरी पटेल पिता/पति- स्व. महानंद पटेल पता-गयानगर दुर्ग, हरेन्द्र पटेल, गजेन्द्रकुमार पटेल पिता/पति-स्व. महानंद पटेल पता-गयानगर दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आम मुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/06/2024 को जारी किया जाता है।

(मुहर) **तहसीलदार दुर्ग, जिला-दुर्ग**

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग
मामले की श्रेणी :- राजस्व
संदर्भः- जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.- 00019 दुर्ग ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- आरडी 202324430103900175

// ईश्तहार //

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00019 के अंतर्गत ग्राम दुर्ग के वर्तमान भूमिस्वामी आनंद राम पिता सुकलाल यादव पिता/पति-पता-गयानगर, दुर्ग के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 887/83 (0.0030) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता सुभद्रा यादव पिता/पति-स्व. आनंद राम पता-गयानगर दुर्ग, मन्नूयादव, कमलेश यादव पिता/पति-स्व.आनंद राम पता-गयानगर दुर्ग, शकुन यादव पिता/पति-स्व. आनंद राम पता-गयानगर दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/06/2024 को जारी किया जाता है।

(मुहर) **तहसीलदार जिला-दुर्ग (छ.ग.)**

ब्रह्माकुमारीज राजऋषि भवन केलाबाड़ी दुर्ग में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग का आयोजन

दुर्ग (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को सामूहिक नि:शुल्क योगाभ्यास का आयोजन ब्रह्माकुमारीज राजऋषि भवन केलाबाड़ी दुर्ग में डॉ. निर्मला गुप्ता, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर दुर्ग आईएनओ, सीजी के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर डॉ. निर्मला गुप्ता ने कहा यह हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है कि आज पूरा विश्व समुदाय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है कहा जाता है कि तन स्वस्थ तो मन स्वस्थ इसके लिए हमारा आप सभी से नम्र निवेदन है 24 घंटे में प्रतिदिन हमें स्वयं के शरीर को स्वस्थ रखने के लिए 20 मिनट निकालना है यदि 20 मिनट रोज निकालते हैं तो स्वस्थ रहेंगे,मस्त रहेंगे ,व्यस्त रहेंगे । ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की मुख्य संचालिका रीटा बहन जी ने कहा की तन को स्वस्थ रखने के लिए योगासन एवं प्राणायाम बहुत जरूरी है। योगासन करने से हमारा शरीर तंदुरुस्त और शक्तिशाली बनता है। प्राणायाम करने से श्वांस की गति स्थिर एवं आयु बढ़ती है। पतंजलि अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं जिसमें दो सूत्र तो बहुत प्रचलित हैं लेकिन इनमें सबसे महत्वपूर्ण सूत्र ध्यान है। राजयोग सबसे सुन्दर और सहज ध्यान पद्धति है। मन को शक्तिशाली और आनंदमय बनाने के लिए राजयोग का अभ्यास बहुत जरूरी है। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्मकुमारी रूपाली दीदी जी ने बताया की जैसी हमारी सोच, वैसे रसायन हमारी शरीर में बनते हैं। इसी तथ्य के आधार पर हम बीमार रहते हैं या स्वस्थ रहते हैं यह निश्चित होता है। हमारे हर विचार का प्रभाव शरीर के प्रत्येक कोशिकाओं पर पड़ता है इसलिए हमें अपने विचारों के प्रति जागृत होने की जरूरत है। हमेशा पाजिटिव विचार करना चाहिए ताकि उसका असर हमारे शरीर पर सकारात्मक हो। इस अवसर पर राजऋषि भवन केलाबाड़ी दुर्ग में अनेक भाई-बहनों ने योगाभ्यास किया ।

संक्षिप्त-खबर

बंसुला स्कूल में मनाया गया योग दिवस

बसना(समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शासन के निर्देशानुसार प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला बंसुला में योग दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें समिति के पदाधिकारी स्कूल के स्टाफ पालक एवं बच्चे उपस्थित थे। विद्यालय के शिक्षक एवं योगा ट्रेनर दिनेश डडसेना द्वारा सूर्य नमस्कार ,योग प्राणायाम, कपाल भाती, अनुलोम विलोम आदि विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास कराया एवम् उसके लाभ को विस्तार से अवगत कराया। अंत में शिक्षक राजेश भोई द्वारा आभार प्रदर्शन एवम् एक्यूप्रेशर से होने वाले लाभ की जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में दिनेश डडसेना, राजेश भोई, प्रवीर कुमार बेहेरा, करमसिंह निषाद, चमेली सागर, वृंदा बाई, नंद मैडम,सूरज, शीतांशु, दीपक, रोहन, आरुषि एवम् बालक बालिकाये उपस्थित थे।

चोरी के 02 मोटर सायकल के साथ आरोपी पकडा गया

बसना (समय दर्शन)। 19 जून सियाराम बारिक ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसका मोटर सायकल क्रमांक सीजी- 06, जीई -6775 हिरो स्प्लेण्डर प्लस को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के सामने से किसी अज्ञात चोर द्वार चोरी का ले गया है। रिपोर्ट पर मुखबीर की सूचना पर आरोपी महेन्द्र कुमार वैष्णव के कब्जे से बरमकेला में चोरी के मोटर सायकल को बस स्टैण्ड बरमकेला से बरामद कर पुछताछ करने पर आरोपी द्वारा एक बिना नंबर डिलक्स मोटर सायकल को चोरी कर अपने घर ग्राम-बेहरापाली, थाना- सरायपाली रखना बताये जाने से उक्त मोटर सायकल को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर रिमाण्ड पर भेजा गया। संपूर्ण कार्यवाही थाना बसना पुलिस द्वारा किया गया है।

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया गया

जाँजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ शासन एवं जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार जाँजगीर में स्थित भीमा तालाब में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर में ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर से समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित होकर योग करने के नियम व सावधानी तथा लाभ से अवगत हुए। प्राचीन काल से ही योग भारतवर्ष का अभिन्न हिस्सा रहा है। योग शरीर को निरोगी व सक्रिय रखने का सबसे अच्छा माध्यम है। नियमित रूप से योग करने वाला व्यक्ति आंतरिक व शारीरिक दोनों ही रूप से ऊर्जावान रहता है। योग का महत्व आज पूरे विश्व के लोगों ने समझ लिया है। इसलिए विश्व योग दिवस पर सभी देशों में योग दिवस का आयोजन किया जाता है और बड़ी संख्या में लोग योग शिविरों में भाग लेते है। हमारी संस्था ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर के शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं छात्र-छात्राएँ सभी प्राणायाम- अनुलोम विलोम, भ्रामरी प्राणायाम और उदीत प्राणायाम एवं आसान- तड़ासन, वृक्षासन, तिर्यक तड़ासन, त्रिलोकासन और सूर्यनमस्कार इत्यादि विभिन्न प्रकार के प्राणायाम इत्यादि आसान के द्वारा लाभान्वित हुए। ब्रिलियंट परिवार ने योग के अनेक आसन व प्राणायाम को सीखा और उसके महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की साथ ही बच्चों से योग से जुडे प्रश्न किये जिसके उत्तर बच्चे उत्साहित होकर दिये। 10वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के निर्देशन में यह कार्य सम्पन्न हुआ, जिसमें समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं व अन्य स्टॉफ का सराहनीय योगदान रहा।

किडनी रोग,स्त्री प्रसूति रोग,एवं नाक कान गला रोग विशेषज्ञ 23 जून को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना मे

बसना (समय दर्शन)। अग्रवाल नर्सिंग होम बसना अंचलवासियों को कम खर्च में अच्छे इलाज की सुविधा देते आ रहा है। वर्तमान महंगाई के दौर मे प्रतिदिन नि:शुल्क ओपीडी एवं दवाई की सुविधा से सैकड़ों जरूरतमंद गरीब मरीजों को नि:शुल्क स्वास्थ सेवा उपलब्ध कराते हुए गरीब मरीजों का सार्थक सहयोग कर रहे हैं। क्षेत्र वासियों की लगातार माँग को मद्देनजर रखते हुए आज दिनांक 23जून 2024 को सुबह 10 बजे से प्रदेश के प्रख्यात विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम एक साथ अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में उपस्थित रहकर स्वास्थ्य सेवायें देंगे। जिसमें डॉक्टर रवि धर किडनी एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ एवं प्रख्यात यूरोसर्जन एवं नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉ.सतीस राठी ,तथा प्रख्यात स्त्री एवं प्रसूती रोग विशेषज्ञ व लैप्रोस्कोपिक सर्जन द्रय डॉ.वर्तिका एस केसरवानी एवं डॉ.भारती अग्रवाल, अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में उपलब्ध रहेंगे।

यहाँ प्रतिदिन डायलिसिस की सेवा उपलब्ध है। इस दौरान डायलिसिस किडनी का इलाज। किडनी फेल्योर का इलाज किडनी में सूजन एवं संक्रमण का इलाज। मूत्रमार्ग का संक्रमण एवं पथरी की समस्या प्रोस्टेट ग्रंथि की समस्या का समुचित इलाज एक्यूट एवं क्रोनिक किडनी डिजीज । पेशाब संबंधित शिकायतें झाग आना, रक्त अल्पता, कमजोरी, पैरों में सूजन (एडिमा) डायबीटीस, हाई ब्लड प्रेशर एवं मोटापे से

ग्रस्त मरीज किडनी की जांच अवश्य करावे। मूत्र एवं पथरी जांच का परामर्श एवं आपरेशन राशन कार्ड एवंआयुष्मान कार्ड द्वारा किडनी, मूत्र रोग, प्रोस्टेट एवं पथरी के आपरेशन पूर्णत: नि:शुल्क।

नाक,कान, गला रोग एवं स्त्री, प्रसूति रोग से संबंधित संपूर्ण समाधान आपरेशन, परामर्श के लिए छत्तीसगढ़ के प्रख्यात सर्जन की टीम 23जून को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना मे उपलब्ध रहेंगे।

मरीज की जांच, रहना, खाना, दवाइयां, एवं सम्पूर्ण इलाज पूर्णत: नि:शुल्क रहेगा। आपरेशन के इच्छुक मरीज अपनी पुरानी रिपोर्ट के साथ आज ही भर्ती हो जायें। सी टी स्कैन एवं एक्स-रे जांच में विशेष छूट। संबंधित मरीज या उनके परिजन निम्न नंबर में संपर्क कर अग्रिम पंजीयन करा सेवा ले सकते है. 8461811000..7770868473..7773086100 मे संपर्क कर यहाँ प्रतिदिन आयुष्मान कार्ड एवं राशन कार्ड से नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध ।

परसाडीह में 5 दिवसीय नि,शुल्क योग शिविर एवं 21 जून को दसवीं अंतरराष्टीय योग शिविर का आयोजन

बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत परसाडीह में शासकीय आयुर्वेद औषधालय परसाडीह के तत्वधान में 5 दिवसीय योग शिविर का आयोजन चिन्हाकित आयुष्मान अयोग्य मंदिर शासकीय आयुर्वेद औषधालय परसाडीह में निशुल्क योग प्रदशन एवं प्रशिक्षण शिविर दिनाक, 17,06,2024, से 21,06,2024 तक आयुष औषधालय परसाडीह में संपन हुआ जिसमे क्र, 40,55,70,80,103, कुल 348 बालक बालिका एवं महिला पुरुष लाभांवित हुए निशुल्क योग शिविर प्रभारी ड्राक्टर अर्चना खाटी जी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी शासकीय आयुर्वेद परसडीह योग प्रशिक्षक श्री शत्रुहन लाल पटेल,रू परसाडीह एवं आयु, औषधालय परसाडिह के पूरे स्टाफ के द्वारा जिले आयुर्वेद अधिकारी बलौदाबाजार डॉ, गोदावरी पैकरा जी के मार्ग में सम्पन किया गया दिनाँक, 17,06,2024, को उद्घाटन सत्र में ग्राम पंचायत परसाडीह के सरपंच महोदय दीपेंद्र जटावर एवं गांव के सम्मानीय व्यक्तियों उपस्थित थे कार्यकम का समापन 21 जून को विश्व अंतरराष्टीय योग दिवस को हुआ योग शिविर में ग्रामवासी ने आस पास के आश्रित ग्रामवासी से शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्राचार्या श्री महेश राम कुर्रे एवं स्टाप और स्कूली बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और योग प्रयामाम के माध्यम से शरीर और मन को स्वास्थ्य एवं शान्ति रखने के लिए सिखाए गए इस प्रकार लोगो को शारीरिक मानसिक और बैधिक लाभ होता हैं।

दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बसना मण्डी प्रांगण में नगरवासियों ने किया योग प्राणायाम

बसना(समय दर्शन)। बसना - नगर पंचायत बसना के तत्वावधान में दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बसना के मण्डी प्रांगण मे सामूहिक योग प्राणायाम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बसना नगरवासी, नगर पंचायत परिवार,अधिकारी कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधिगण व सैकड़ों की संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर विभिन्न मुद्राओं में योगाभ्यास किया।

योग दिवस पर डॉ.एन.के.अग्रवाल डायरेक्टर अग्रवाल नर्सिंग होम ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिदिन प्रात: एक घंटे योग करने से रोगों से मुक्ति मिलेगी और हमारे पास आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्रतिदिन योग करने से आप सभी स्वस्थ एवं तंदुरुस्त रहेंगे और दीर्घ जीवन को प्राप्त करेंगे।योग प्राणायाम आदि अनंत काल से चला आ रहा है। परिवार, समाज,जन मानस में योग का संदेश पहुंचायें ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो। बाबा रामदेव तो योग गुरु हैं सभी जानते हैं। फिल्म की जानी मानी अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने योग के महत्व को टी वी के माध्यम से देश की जनता को बता रही हैं।इनका अनुसरण करते हुए योग कर स्वस्थ रहें। गजेन्द्र साहू अध्यक्ष नगर पंचायत, रामचंद्र अग्रवाल ने भी अपने विचारों को व्यक्त किया।योग प्राणायाम हमारे परंपरा और संस्कृति का हिस्सा रहा है। ऋषि मुनियों ने भी योग से सिद्धि प्राप्त करते थे और समाज के कल्याण में ऊर्जा लगाते थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी ने योग प्राणायाम को वैश्विक स्तर पर एक नया आयाम प्रदान किया है। आज समूचा विश्व मोदी जी के आव्हान पर योग को अंगीकार कर रहा है। प्रात:काल उठकर सबसे पहले योग के साथ अपने दैनिक जीवन की शुरूआत कर जीवन से जोड़कर आरोग्य प्राप्त करना चाहिये ।

एल ई डी के माध्यम से विश्व योग दिवस के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने भी योग का वर्चुवल संदेश दिया है।

इस अवसर पर सभी उम्र वर्ग के लोगों ने योगकर आरोग्य हेतु इस विशेष अवसर का लाभ प्राप्त किया । उन्होंने इस आयोजन के लिए नगर पंचायत प्रशासन एवं नगरवासियों, अधिकारी, कर्मचारियों, सामाजिक बंधुओं तथा भाजपा मण्डल बसना को बधाई दी है।

करें योग.. रहें निरोग.. की थीम के साथ प्रतिदिन योग करने मंच से प्रेरित किया गया। इसके लिए 40 मिनट का समय अवश्य निकालें । इससे तन और मन दोनों स्वस्थ रहता है। आज पूरा विश्व योग को जीवन मे अपना कर उसे अपने जीवन में अपनाकर निरोग रह सकते हैं । योग दिवस पर भूपेंद्र प्रधान एवं कु तेजस्विनी साव,कु कुमकुम साव, अंकिता प्रधान ने विभिन्न आसन का योग करते हुए गाईड किया।

इस अवसर पर डॉ एन के अग्रवाल, रामचंद्र अग्रवाल, ललित सिंह नायब तहसीलदार, नगर पंचायत सीएमओ सूरज सिदार ,अनिल अग्रवाल, सौरव अग्रवाल, गिरधारी डडसेना,शीत गुप्ता, रमेश सूर्या, अभिमन्यु जायसवाल,जन्मजय साव,मंजीत सिंह छाबड़ा, जयन्त चौहाण,जगदीश सोनी, जयनारारायण पटेल,रघुवीर अग्रवाल, सेवकदास दीवान, अभय धृतलहरे, रिषीकेशन दास, मनहरण सोनवानी, अमृत पटेल,राधे नायक, सुभाष अग्रवाल, सुभाष शर्मा, सुंदर प्रधान, महेन्द्र सिंह अरोरा,सोनू सोनवानी,विजय जगदल्ला,दीपक शर्मा, प्रदीप दास, मनीष साव एवं नगर पंचायत बसना के सभी अधिकारी कर्मचारी एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन खिरोद्र पुरोहित प्राचार्य स्वामी आत्मानंद ने किया। आभार प्रदर्शन सूरज सिदार सी सी एम ओ नगर पंचायत बसना ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विष्णु मंदिर परिसर में युवाओं का दिखा गजब का उत्साह

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज जिला मुख्यालय जांजगीर के प्रसिद्ध विष्णु मंदिर परिसर में एनसीसी, एनएसएस, आकांक्षा के छात्रों एवं ''हसदेव के हीरो'' के युवाओं द्वारा बड़ी संख्या में शामिल होकर योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी युवाओं में योग को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिला। योगासन की विभिन्न मुद्राओं, प्राणायाम आसन एवं ध्यान की क्रियाओं को किया। जिन्हें देखकर आस पास के लोग भी बड़ी संख्या में योगाभ्यास के लिए शामिल हुए एवं सभी ने अपने दैनिक जीवन में योगाभ्यास करने का संकल्प लिया।

जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी हड़ताल पर, सेंटरों में ठप्प रही चिकित्सकीय सेवा

- आंदोलन को प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने समर्थन देकर हड़तालियों का बढ़ाया हौसला

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले के हेल्थ वेलनेस सेंटर (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकाारियों ने प्रदेश संगठन के आव्हान पर अपनी तीन सूत्रीय मांगो को लेकर शुक्रवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल का आगाज कर दिया है। जिससे हेल्थ वेलनेस सेंटरों में चिकित्सकीय सेवा ठप्प रही। फ्लस्वरुप इलाज के लिए सेंटरों में पहुंचे मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की तीन सूत्रीय मांगो में लंबित कार्यधारित मानदेय व शासन के निर्देशानुसार महिने के 15 तारीख से पहले मानदेय का भुगतान, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने स्थानांतरण का लाभ के अलावा कांकेर जिला संगठन के संयोजक पवन वर्मा की बहाली शामिल है। उक्त मांगो को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रकोष्ठ द्वारा शासन स्तर पर आवाज उठाई गई थी,लेकिन मांगो की अनदेखी करने से नाराज सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरु कर दिया है। आंदोलन के तहत दुर्ग जिला के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी शुक्रवार को हिन्दी भवन के सामने जुटे और धरना पर बैठकर

अपनी मांगो लेकर आवाज बुलंद की। इस दौरान उन्होने शासन के रवैये के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी भी व्यक्त की। धरना में बैठे हड़ताली सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने स्पष्ट लहेजे में कहा है कि जब तक उनकी तीनों मांगे पूर्ण नहीं होती तब तक उनका यह हड़ताल जारी रहेगा। छत्तीसगढ़ प्रदेश सामुदायकि स्वास्थ्य अधिकारी प्रकोष्ठ के दुर्ग जिला इकाई संयोजक भोजराम देशमुख ने बताया कि जिले में 86 हेल्थ वेलनेस सेंटर है। जहां के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी हड़ताल पर है, जिससे सभी सेंटरो में चिकित्सकीय सेवा ठप्प है। उन्होने बताया कि हेल्थ वेलनेस सेंटर में ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को 12 प्रकार की जरुरी चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ मिलता है। सेंटरों में चिकित्सकीय सेवा ठप्प होने से मरीजों को ईलाज के लिए इधर उधर भटकना पड़ रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के हड़ताल को छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ का भी समर्थन है। संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमेश पाल,संभागीय अध्यक्ष अजय नायक,दुर्ग जिला अध्यक्ष सत्येन्द्र गुप्ता,जिला महामंत्री लक्ष्मीकांत धोटे,खिलावन चंद्राकर,धनीराम ठाकुर,रोशन सिंह, भूपेश उपाध्याय के अलावा अन्य पदाधिकारी हड़ताली अधिकारियों के धरना स्थल पहुंचे और उनके आंदोलन को जायज ठहराते हुए उनका हौसला बढ़ाया गया। धरना में छत्तीसगढ़ प्रदेश सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रकोष्ठ जिला इकाई दुर्ग के संयोजक भोजराम देशमुख,ब्लॉक संयोजक वेदकुमारी साहू,थानेश्वर साहू, सबा कुरैशी,उपाध्यक्ष दीपशिखा साहू के अलावा जिलेभर के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डटे रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24